दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-119 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 17 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

वोटर कार्ड और अन्य दस्तावेजों में आधार के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, केंद्र और राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक जनहित याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई। इस याचिका में केंद्र सरकार, सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों और भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश देने की मांग की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आधार का इस्तेमाल केवल पहचान के सबूत के तौर पर हो न कि नागरिकता, निवास, पते या जन्मतिथि के सबूत के तौर पर। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों व केंद्रशासित प्रदेशों, ईसीआई और यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) को नोटिस जारी किया। इस मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। याचिका में कहा गया है कि आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 साफ तौर पर कहती है कि आधार नागरिकता या निवास का सबूत नहीं है जबकि यूआईडीएआई की सूचनाएं स्पष्ट करती हैं कि आधार केवल पहचान का सबूत है न कि

नागरिकता, पते या जन्मतिथि का सबूत। याचिका के अनुसार, इन कानूनी सीमाओं और अदालती फैसलों के बावजूद कि आधार उम्र का सबूत नहीं है, इस दस्तावेज को स्कूल में दाखिले, प्रॉपर्टी के लेनदेन, जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने जैसे कई कामों के लिए उम्र, निवास, नागरिकता और निवास स्थान के सबूत के तौर पर बड़े पैमाने पर स्वीकार किया जाता रहा है।

पीआईएल में खास तौर पर नए वोटर रजिस्ट्रेशन (फॉर्म-6) के लिए आवेदन फॉर्म में जन्मतिथि और निवास के सबूत के तौर पर आधार के इस्तेमाल को चुनौती दी गई है। इसमें तर्क दिया गया है कि ऐसा इस्तेमाल आधार अधिनियम, यूआईडीएआई की सूचनाओं और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के खिलाफ है। याचिकाकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने केंद्र सरकार, राज्यों और ईसीआई से निर्देश जारी करने की मांग की है कि वे यह पक्का करने के लिए उचित कदम उठाएं कि आधार का इस्तेमाल सख्ती से पहचान के सबूत के तौर पर ही हो, न कि उन कामों के लिए जो आधार अधिनियम और यूआईडीएआई दिशानिर्देशों के तहत मना हैं। आधार एनरोलमेंट फ्रेमवर्क का हवाला देते हुए, याचिका में तर्क दिया गया है कि सभी निवासी, जिनमें भारत में कम से कम 182 दिनों से रह रहे विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, आधार पाने के हकदार हैं।

नागपुर के संविधान चौक पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दिपके राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए।

राम मंदिर चढ़ावा कांड में नया खुलासा: बैंक ने कंपनी को ठेका दिया, कर्मचारी ट्रस्ट ने तय किए

अयोध्या(आरएनएस)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब जांच का फोकस सिर्फ संदिग्ध कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मंदिर में चढ़ावे की गिनती और उससे जुड़े कर्मचारियों की तैनाती में बैंक, आउटसोर्सिंग कंपनी और ट्रस्ट की भूमिका जांच के घेरे में है।

ट्रस्ट ने पैसे गिनने के लिए रखे थे अपने ही लोग

बड़ा खुलासा यह है कि बैंक ने कर्मचारियों को कंपनी के जरिए आउटसोर्सिंग पर रखा था, लेकिन कर्मचारी ट्रस्ट की ओर से तय किए गए थे। यानी जिन लोगों को चढ़ावे की गिनती जैसे संवेदनशील काम में लगाया गया, वे या तो किसी पदाधिकारी के परिचित बताए जा रहे हैं या उनसे जुड़ा नेटवर्क रखते थे।

सबसे गंभीर सवाल यह है कि चढ़ावा गिनने वाले कर्मचारियों का न तो उचित सत्यापन हुआ, न नियमित तलाशी, न प्रभावी निगरानी। ट्रस्ट के कर्मचारी आईकार्ड लगाकर परिसर में आसानी से घूमते थे। सुरक्षा में पुलिस और अर्द्धसैनिक बल तैनात होने के बावजूद ट्रस्ट कर्मियों की आवाजाही पर वैसी सख्ती नहीं दिखी।

बंगाल में पीएम मोदी 'योग' कार्यक्रम पर शुरू हुआ सियासी बवाल, 'रेड रोड' पर नमाज न करने देने को लेकर उठाए गए सवाल

कोलकात, (आरएनएस)। 21 जून को मनाए जाने वाले 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' (IDY 2026) को लेकर देश और दुनिया में तैयारियां अंतिम चरण में हैं. पश्चिम बंगाल में नयी सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार बंगाल आ रहे हैं. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के इस मौके पर पीएम मोदी कोलकाता में हजारों लोगों के साथ योग करेंगे. कोलकाता के रेड रोड पर होने वाले इस कार्यक्रम के लिए पूरी तैयारी की जा रही है.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगले हफ्ते पश्चिम बंगाल के दो दिन के दौरे पर वे पश्चिम बंगाल दिवस और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के जश्न में शामिल होंगे. पश्चिम बंगाल दिवस में पीएम मोदी मुख्य अतिथि होंगे.पीएम मोदी के साथ 21 जून को कोलकाता में करीब 30 हजार लोगों के योग करने

दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट, इन जगहों पर तड़पाएगी गर्मी, हीटवेव का अलर्ट जारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली-उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में हल्की बारिश के बावजूद तापमान में कोई खास कमी नहीं आई है। दिन के समय धूप निकलने से गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं। अगले 2-3 दिनों के दौरान तेलंगाना और विदर्भ के कुछ इलाकों में लू (heat wave) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 38 C से 40 C के बीच दर्ज किया जा रहा है। इसकी वजह से गर्मी पड़ रही है। इस बीच हरियाणा-पंजाब और राजस्थान समेत कई राज्यों में आज झमाझम बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल , तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड व बिहार के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। अगले 6-7 दिनों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में भारी बारिश होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 17-20 जून के दौरान भारी बारिश होने की संभावना है।18-21 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में बारिश होने की संभावना है। उत्तराखंड में आंधी-तूफान के साथ बारिश हो सकती है। यहां पर 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

दो करोड़ रुपये का था इंश्योरेंस, पूर्व सैनिक की हत्या कर नेचुरल डेथ दिखाने की कोशिश, 9 गिरफ्तार

कर्नाटक, (आरएनएस)। कर्नाटक के बेलगावी जिले से हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है। दो करोड़ के इंश्योरेंस के पैसे के लिए एक पूर्व सैनिक की हत्या कर उसे एक नेचुरल डेथ दिखाने की कोशिश की गई। इस सनसनीखेज मामले में बेलगावी जिला पुलिस ने 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पीड़ित की पत्नी, फ़ोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) का एक अधिकारी और शहर की पुलिस का एक कर्मचारी भी शामिल है। इन पर आरोप है कि इन्होंने एक पूर्व सैनिक की हत्या की साजिश रची और अपराध को छिपाने के लिए फॉरेंसिक सबूतों के साथ छेड़छाड़ की। जिला SP के. रामराजन ने कहा कि आरोपी ने हुक्केरी तालुका के घोदगेरी गांव के रहने वाले 46 साल के संदीप कलागौडा मंजरगी की कथित तौर पर हत्या कर दी, ताकि लगभग 2 करोड़ रुपये का एक्सीडेंट इंश्योरेंस क्लेम किया जा सके। मंजरगी, जो एक पूर्व सैनिक थे। 13 मार्च को अपने गांव लौटते समय मोटरसाइकिल से गिरकर मामूली रूप से घायल हो गए थे। उन्हें शुरू में हुक्केरी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस के अनुसार, प्राथमिक चिकित्सा जांच के दौरान पाया गया कि उनकी चोटें गंभीर नहीं थीं। हालांकि, उनकी पत्नी सुमा उन्हें घटाप्रभा के जेजे अस्पताल ले गईं, जहां 15 मार्च को कार्डियक अरेस्ट के कारण उनकी मौत हो गई।

टीएमसी में संभावित विभाजन पर जल्दबाजी नहीं, दोनों गुटों को सुनने के बाद फैसला लेंगे : लोकसभा स्पीकर ओम बिरला

नईदिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला टीएमसी के बागी सांसदों के मामले में दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद ही कोई फैसला लेंगे। स्पीकर के ऑफिस ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी सांसदों के ग्रुप को ईमेल भी भेजा है। इन सांसदों को लोकसभा स्पीकर के साथ मीटिंग के लिए बुलाया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, इसके बाद ही स्पीकर बागी गुट से जुड़ा कोई फैसला लेंगे। खास बात यह है कि सूत्रों के अनुसार, टीएमसी के बागी गुट के 20 सांसदों ने स्पीकर से मुलाकात की थी। एक पत्र सौंपकर अपने गुट का एनसीपीआई में विलय करने का अनुरोध किया था।

सूत्रों के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को ई-मेल भेजकर इस मामले में उसका पक्ष भी मांगा है। इससे पहले संसद से जुड़े सूत्रों ने बताया था कि लोकसभा अध्यक्ष, अलग हुए सांसदों की, अपेक्षाकृत कम चर्चित राजनीतिक दल नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय के बाद अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग पर कानूनी राय ले सकते हैं।

बेहतर प्रबंधन और कुशलता से करायें नीट की परीक्षा, कहीं भी न रहे कोई कमी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीसी से की नीट परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नीट राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है। इसके लिए सभी तैयारियां समय से पहले पूरी कर ली जाएं। बेहतर प्रबंधन एवं कार्य कुशलता से पूरी पारदर्शिता के साथ यह परीक्षा सम्पन्न करायें। उन्होंने कहा कि परीक्षा आयोजन में किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की कमी या त्रुटि न रहे। परीक्षा कराने में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से अपने कर्तव्यों का पालन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में नीट (अंडर ग्रेजुएट) परीक्षा-2026 की आगामी रविवार (21 जून) को होने वाली परीक्षा की तैयारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा की। यह परीक्षा प्रदेश के 30 जिलों के 283 परीक्षा केंद्रों में सम्पन्न कराई जाएगी। नीट परीक्षा की कुल अवधि सवा तीन घंटे की होगी। इस बार सभी परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीट परीक्षा के समन्वयक उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि सभी परीक्षा केन्द्रों में लगाई जाने वाली बायोमैट्रिक मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं जैमर 19 जून को ही परीक्षा केन्द्रों में लगा दिए जाएं और 20 जून को इनका ट्रायल रन भी कर लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 21 जून को राष्ट्रपति महोदया का जबलपुर प्रवास प्रस्तावित है। जबलपुर शहर में 24 केंद्रों में नीट परीक्षा होनी है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी यातायात का ऐसा प्रबंधन करें कि सभी परीक्षार्थी बिना किसी बाधा के अपने-अपने परीक्षा केंद्रों में सुगमता से पहुंच जायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चूंकि नीट परीक्षा के दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में भी होने हैं, इन आयोजनों के कारण परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कोई कठिनाई न हो। यातायात का बेहतर नियोजन करें। सुनिश्चित करें कि सभी परीक्षार्थी तय समय से पहले तक केन्द्रों में पहुंच जायें। किसी परीक्षार्थी को यदि सेंटर तक पहुंचने में आवागमन के साधन की परेशानी आ रही है तो प्रशासन और पुलिस अधिकारी किसी शासकीय वाहन या खुद अपने वाहन से उन्हें परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परीक्षा केंद्रों वाले सभी 30 जिलों के कलेक्टर्स-एसपी एवं परीक्षा सम्पन्न कराने की व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों को वीसी से निर्देशित किया कि नीट परीक्षा की तैयारियों के लिए उपयोग में लाई गई एसओपी अब प्रदेश में होने वाली सभी परीक्षाओं में उपयोग में लाई जाएगी।

ट्रिपल मर्डर से दहला प्रयागराज, घर के बाहर सो रहे एक ही परिवार के तीन लोगों की निर्ममता से हत्या

प्रयागराज (आरएनएस)। जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जहां एक ही परिवार के तीन लोगों की निर्ममता से हत्या कर दी गई है। तीनों के घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे, इसी दौरान अज्ञात हमालवरों ने धारदार हथियार से उन पर हमला कर दिया। जिससे मौके पर ही तीनों की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। यह पूरा मामला जिले के मेजा थाना क्षेत्र का है। जहां, कुकुरकटवा गांव के रहने श्यामलाल उर्फ कल्लू (70 वर्षीय) अपनी पत्नी मंजू देवी और उनकी भाभी कच्चे मकान में सो रहे थे। इसी दौरान देर रात अज्ञात हमलावर आए और तीनों की बेरमहमी से हत्या कर दी। सभी मृतकों के सिर और शरीर पर धारदार अथवा भारी हथियार से किए गए वार के निशान मिले हैं। उनके घर के आंगन से लेकर हैडपंप लेकर बाहर तक खून ही खून फैला हुआ है। जिससे वारदात की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। सुबह तीनों का शव मकान के दरवाजे के पास देख गांव में सनसनी फ़ैल गई। आस-पास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि परिवार बहुत ही गरीब है।

अरविंद केजरीवाल का PM मोदी पर हमला, बोले- जल्द देश को मिलेगा मजबूत प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। केजरीवाल ने कहा कि देश में जल्द एक मजबूत प्रधानमंत्री होगा, जो भारतीयों की मौत और अपमान का जवाब देगा। केजरीवाल ने दावा किया कि मौजूदा घटनाओं को लेकर देश के लोगों में गुस्सा है। उन्होंने कहा, आज पूरे देश का खून खौल रहा है। लोग बहुत ज्यादा गुस्से में हैं। आप संयोजक ने आरोप लगाया कि ट्रंप से जुड़ी घटनाओं में भारतीयों की मौत हुई, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से इस पर कोई कड़ा बयान नहीं आया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं बोला।

केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक वीडियो में कहा कि 8 जून, 10 जून और 11 जून को ट्रंप की ओर से हमले किए गए, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने कहा, 8 जून को हमला किया, प्रधानमंत्री जी चुप रहे। 10 जून को हमला किया, मोदी जी चुप रहे। 11 जून को हमला किया, मोदी जी चुप रहे। केजरीवाल ने आगे कहा कि 10 जून को ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने के लिए बधाई दी और प्रधानमंत्री ने इसके जवाब में उन्हें धन्यवाद कहा।

19 देशों के साथ भारत का शौर्य प्रदर्शन, पिच ब्लैक अभ्यास में जुटे 100+ फाइटर जेट

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सामरिक क्षमता और सैन्य ताकत का प्रदर्शन करने के लिए भारतीय वायुसेना एक बार फिर पूरी तरह तैयार है। ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में आगामी 20 जुलाई से 7 अगस्त तक आयोजित होने वाले बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास पिच ब्लैक-2026 में भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलट अपने अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों के साथ हुंकार भरेंगे। इस बड़े सैन्य मंच पर भारत दुनिया के 18 अन्य मित्र देशों के साथ मिलकर अपनी युद्धक क्षमताओं का प्रदर्शन करेगा। इस अंतरराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास में दुनिया भर के 19 देशों के 100 से अधिक लड़ाकू व परिवहन विमान और हजारों सैन्य कर्मी हिस्सा ले रहे हैं। इसका प्राथमिक उद्देश्य बेहद जटिल और वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में मित्र देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल, साझा रणनीति और परिचालन क्षमता को सुदृढ़ करना है।

दैत्यों के समय हिंदुओं को रात में नहीं करनी चाहिए शादी, कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने उठाए सवाल, जानिए पूरा मामला

भोपाल(ए.)। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने रात में होने वाले विवाह, शादियों में मद्यपान की बढ़ती प्रवृत्ति, मंदिरों के प्रबंधन और राम मंदिर दान पात्र विवाद जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी।देवकीनंदन ठाकुर ने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि शास्त्रों के अनुसार समय का विभाजन देवताओं, पितरों और दैत्यों के समय में किया गया है। रात का समय दैत्यों का माना जाता है, इसलिए हिंदू समाज को रात में विवाह करने से बचना चाहिए। दैत्यों के समय में विवाह करके दैवीय और आदर्श जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

उन्होंने बताया कि प्राचीन भारतीय परंपरा में 'गोधूलि बेला' को विवाह के लिए सबसे शुभ और उत्तम समय माना जाता था। उस समय विवाह के सभी प्रमुख संस्कार और फेरे दिन में ही संपन्न होते थे। मुगल आक्रांताओं के दौर में जब बेटियों की सुरक्षा और सम्मान पर खतरा मंडराने लगा था, तब मजबूरी और आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों ने रात के समय छिपकर विवाह करना शुरू किया। धीरे-धीरे यह एक परंपरा का रूप बन गई।उन्होंने कहा कि अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं और वैसा कोई खतरा नहीं है, इसलिए समाज को शोर-शराबे और अनावश्यक दिखावे से दूर रहकर फिर से दिन में विवाह करने की पवित्र परंपरा की ओर लौटना चाहिए। शादियों में मद्यपान के सेवन को लेकर भी देवकीनंदन ठाकुर ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विवाह हिंदू धर्म के 16 संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार है। ऐसे पवित्र अवसर पर मद्यपान करना अत्यंत दूषित विषय है।

K ✌ K
राजधानी समाचार

बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवाएं और जन-कल्याण के लिए 24 हजार 200 करोड़ रूपये की स्वीकृति

स्थानीय निधि संपरीक्षा के संचालन और विभागीय परिसंपत्तियों के संधारण के लिए 492 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। बैठक में मध्यप्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण को बड़ी रफ्तार देते हुए कुल 24,200 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के लिए अतिरिक्त वित्त पोषण सहित कुल 19,472 करोड़ 29 लाख रुपये का पुनरीक्षित बजट स्वीकृत किया गया। राज्य में विश्वस्तरीय सुपर-स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाने और परोपकारी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए मेगा स्वास्थ्य सेवा अधोसंरचना प्रोत्साहन नीति 2026 लागू करने के प्रस्ताव पर मंत्रि-परिषद ने 5 सदस्यीय मंत्रि-मण्डल उप समिति का गठन किया है। समिति सभी संबंधित पहलुओं का अध्ययन कर रिपोर्ट देगी। मंत्रि-परिषद ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए रीवा, देवास और गुना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आउटसोर्स मॉडल पर चलाने का पायलट प्रोजेक्ट भी मंजूर किया गया।वन्य-प्राणी संरक्षण और संवेदनशील क्षेत्रों के 94 गांवों के विस्थापन व मुआवजे के लिए 16वें वित्त आयोग की अवधि 2026-2031 के तहत 2 हजार 381 करोड़ 15 लाख रुपये आवंटित किए हैं। सामाजिक और आर्थिक समावेशन को बढ़ावा देते हुए जनजातीय विद्यार्थियों की शैक्षणिक व आवासीय सुविधाओं के लिए 687 करोड़ रुपये और स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ाने के उद्देश्य से रेशम उत्पादन की विभिन्न योजनाओं के लिए 639 करोड़ 25 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। मंत्रि-परिषद द्वारा श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन,औद्योगिक सुरक्षा और श्रमिक कल्याण योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए 531 करोड़ 78 लाख रुपये तथा स्थानीय निकायों के वित्तीय प्रबंधन व ऑडिट व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए स्थानीय निधि संपरीक्षा

के संचालन के लिए 492 करोड़ 45 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह सभी निर्णय आगामी पांच वर्षों में मध्यप्रदेश के समग्र, समावेशी और सतत विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ी पहल है। इंदौर मेट्रो रेल परियोजना की पुनरीक्षित लागत और अतिरिक्त वित्त पोषण के लिए 19 हजार 472 करोड़ 29 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने इंदौर मेट्रो रेल परियोजना की मूल लागत 7 हजार 500.80 करोड़रूपये में 5 हजार 388.58 करोड़ रूपये की अतिरिक्त लागत जोड़कर पुनरीक्षित लागत 12 हजार 889.38 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त उद्योग के स्वीकृत मानदंडों के अनुसार परियोजना के लिए अतिरिक्त वित्त पोषण पीपीपी घटक एवं आंतरिक ऋण के प्रभाव को सम्मिलित करते हुए 6 हजार 582.91 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस तरह कुल 19 हजार 472 करोड़ 29 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। अतिरिक्त वित्त पोषण में भारत शासन और मध्यप्रदेश शासन द्वारा 1,696 करोड़ 74 लाख रूपये की अतिरिक्त इक्विटी और केन्द्रीय करों के लिए 214 करोड़ 64 लाख रूपये का अतिरिक्त अधीनस्थ ऋण, वित्त पोषण एजेंसी बैंकों से ऋण निधि के विरुद्ध 3,496 करोड़ 15 लाख रूपये का अतिरिक्त पीटीए/आंतरिक ऋण, मध्यप्रदेश शासन से राज्य करों के लिए 656 करोड़ 96 लाख रूपये एवं आईडीसीकी लागत के लिए 518 करोड़ 42 लाख रूपये का अतिरिक्त ऋण शामिल है। प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड एलिफेंट और ग्रामों के पुनर्वास संबंधी मुआवजा के लिए 2 हजार 381 करोड़ 15 लाख रूपये की स्वीकृतिमंत्रि-परिषद द्वारा वन विभाग के अंतर्गत प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड एलिफेंट और ग्रामों के पुनर्वास के लिए मुआवजा सम्बंधी योजना के सोलहवें केन्द्रीय वित आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक कुल 5 वर्षों तक संचालन के लिए कुल 2 हजार 381 करोड़ 15 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड एलिफेंट (नॉन-रिकरिंग), प्रजेक्ट टाइगर एण्ड एलिफेंट (रिकरिंग) और प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड एलिफेंट (प्रोजेक्ट एलिफेंट) के लिए एक हजार 131 करोड़ 15 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन तीनों योजनाओं से वन्यप्राणी संरक्षण के वैज्ञानिक सिद्धान्तों के आधार पर बनाई गई प्रबंध योजना का क्रियान्वयन किया जाना है, जिसमें मुख्यत: प्रदेश के टाइगर रिजर्व, कूनो राष्ट्रीय उद्यान तथा गांधीसागर अभयारण्य में वन एवं वन्य-प्राणी सुरक्षा के लिए हैबीटेट सुधार, अग्नि एवं वन सुरक्षा, जल स्त्रोतों का विकास, वन मार्गो का रखरखाव आवश्यक संरचनाओं का निर्माण एवं उनका रखरखाव, हाथियों का प्रबंधन एवं सुरक्षा कार्य, रेस्क्यू सामग्री क्रय, कैम्प निर्माण, दवाईयां क्रय एवं हाथियों के लिए भोजन व्यवस्था आदि कार्य किए जायेंगे।

मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से, अधिसूचना जारी

भोपाल(ए)। मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार, 20 जुलाई से शुरू होगा। यह पांच दिवसीय सत्र 24 जुलाई तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय द्वारा मंगलवार को राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा अनुमोदित तदाशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का एकादश सत्र होगा।जारी अधिसूचना के अनुसार, मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का एकादश सत्र सोमवार, 20 जुलाई से आरंभ होकर शुक्रवार, 24 जुलाई तक चलेगा। इस पांच दिवसीय सत्र में महत्वपूर्ण शासकीय कार्य संपादित किए जाएगे। इसके लिए विधानसभा सचिवालय में अशासकीय विधेयकों की सूचनाएं 24 जून, 2026 तथा अशासकीय संकल्पों की सूचनाएं 9 जुलाई,2026 तक प्राप्त की जाएंगी, जबकि स्थगन प्रस्ताव, ध्यानाकर्षण, नियम 267 - क के अधीन सूचनाएं विधानसभा में 14 जुलाई ,2026 से कार्यालय में पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपराह्न 4:00 तक प्राप्त की जाएंगी।मप्र सरकार ने मानसून सत्र को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। इस सत्र में राज्य सरकार अपना पहला अनुपूरक बजट पेश करेगी, साथ ही कई विधेयक भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

आगामी मोहर्रम, ताजिया जुलूस, महामहिम राष्ट्रपति के प्रस्तावित भ्रमण एवं विशेष आयोजनों के दृष्टिगत सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था तैयारियों की समीक्षा

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने जोनल पुलिस महानिरीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों को दिए विशेष सतर्कता एवं प्रभावी समन्वय के निर्देश

भोपाल (ए.)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक की वीडियों कॉफ्रेंस आयोजित की गई। बैठक में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सभी जोनल पुलिस महानिरीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि मोहर्रम, ताजिया जुलूसों, अन्य धार्मिक आयोजनों, महामहिम राष्ट्रपति के प्रस्तावित भ्रमण तथा वीआईपी कार्यक्रमों के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा योजना तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि आगामी त्योहारों एवं आयोजनों के दौरान परंपरागत रूप से संवेदनशील क्षेत्रों, जुलूस मार्गों, धार्मिक स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए। शांति समितियों, धर्मगुरुओं एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ नियमित संवाद स्थापित कर सामाजिक समरसता एवं आपसी सौहार्द का वातावरण बनाए रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सोशल मीडिया एवं अन्य डिजिटल माध्यमों पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं, अफवाहों एवं आपत्तिजनक सामग्री पर सतत निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की भड़काऊ अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधि के विरुद्ध त्वरित वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में खुफिया तंत्र को सक्रिय रखते हुए संभावित चुनौतियों का समय रहते आकलन कर आवश्यक निवारक कदम उठाए जाएं।डीजीपी ने कहा कि उपलब्ध पुलिस बल, दंगा नियंत्रण उपकरणों, वाहनों, संचार संसाधनों, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की समीक्षा कर उन्हें पूर्णत: सक्रिय एवं तैयार रखा जाए।

इनवायरमेंटल इकोनॉमिक अकाउंटिंग डेटा संबंधी अंतर्विभागीय समूह का गठन

भोपाल,(ए.)। पर्यावरण सांख्यिकी की कार्य प्रणाली और अवधारणाओं के विकास तथा प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण आर्थिक लेखों(इनवायरमेंटल इकोनॉमिक अकाउंटिंग) के डेटा के सुगम आदान-प्रदान तथा संकलन कार्य में बेहतर समन्वय के लिए राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय समूह का गठन किया है। समिति में कृषि उत्पादन आयुक्त, किसान कल्याण तथा कृषि विकास अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव वन, जल संसाधन, पर्यावरण, खनिज साधन, पशुपालन एवं डेयरी, ऊर्जा, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण, अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, प्रमुख सचिव/सचिव मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सदस्य सचिव मध्यप्रदेश जैव विविधता बोर्ड, अध्यक्ष एवं सदस्य सचिव, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सदस्य होंगे। आयुक्त, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, म.प्र. को सदस्य-सचिव नामित किया गया है। अंतर्विभागीय समूह द्वारा संचालित कार्य के अंतर्गत पर्यावरण से संबंधित सांख्यिकी कार्य के लिए विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना, पर्यावरण सांख्यिकी लेखों का संकलन, डेटा की उपलब्धता का आकलन, डेटा अंतराल की पहचान करना और डेटा अंतराल को भरने के लिए उपायों की सिफारिश करना, पर्यावरण सांख्यिकी लेखांकन के कार्यान्वयन के लिए संसाधन आवश्यकता और क्षमता विकास का आंकलन करना और क्षेत्रवार पर्यावरण सांख्यिकी लेखांकन खातों के व्यवस्थित संधारण के लिए रोडमैप का सुझाव संबंधी कार्य किए जाएंगे।

धार्मिक आयोजनों में लग्जरी कार से जाकर चोरी करने वाला इंटरस्टेट चेन स्नेचिंग गैंग गिरफ्तार

भोपाल/देवास (ए.)। एमपी की देवास पुलिस ने धार्मिक आयोजनों में शामिल होकर सोने की चैन सहित अन्य कीमती जेवरात चोरी करने वाले अंतरराज्यीय चेन स्नेचिंग गिरोह के सात आरोपियो को भोपाल से गिरफ्तार किया है। गैंग ने देवास में आयोजित भागवत कथा के दौरान महिला की सोने की चेन पर हाथ साफ किया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला की गिरोह लग्जरी कार से आकर आयोजन में शामिल होता और फिर वारदात को अंजाम देकर रफूचक्कर हो जाता था। गिरोह के भागने के रास्तो का सीसीटीवी रुट मेप तैयार कर पुलिस ने गिरोह में शामिल 4 महिलाओ और 3 पुरुषो को गिरफ्तार किया है।मिली जानकारी के अनुसार देवास शहर में 10 जून को मंडी व्यापारी एसोसिएशन धर्मशाला में आयोजित भगवत कथा के दौरान सरोज अग्रवाल नामक महिला की सोने की चेन चोरी हो गई थी। शिकायत मिलने पर पुलिस ने छानबीन करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पड़ताल में कुछ संदिग्धो को राडार पर लिया गया। आगे की जांच में सामने आया कि वारदात के बाद संदेही कुछ दूरी तक पैदल गये और फिर ऑटो में सवार होकर दो किलोमीटर दूर हाइवे पर पहुंचे। हाइवे पर पहुचंने के बाद आरोपी वहॉ खड़ी अपनी लग्जरी कार में बैठकर शहर से बाहर चंपत हो गए।

त्विषा शर्मा के पति समर्थ सिंह और पूर्व जज गिरिबाला सिंह की पेशी, 30 जून तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

भोपाल (ए.)। पूर्व माडल एवं अभिनेत्री त्विषा शर्मा की संदिग्ध मृत्यु के मामले में मंगलवार को न्यायालय ने एक निर्णय सुनाया है। अदालत ने इस हाई-प्रोफाइल प्रकरण में मुख्य आरोपित, मृतका के पति समर्थ सिंह और उनकी सास, पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की न्यायिक हिरासत को आगामी 30 जून तक बढ़ाने के आदेश दिए। दोनों आरोपितों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शोभना भलावे के समक्ष प्रस्तुत किया गया था, जहां दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने यह फैसला दिया। इससे पहले गत 2 जून को हुई सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दोनों आरोपितों को 16 जून तक के लिए न्यायिक अभिरक्षा में भेजने का निर्देश दिए थे। अधिवक्ता अनुराग श्रीवास्तव के अनुसार,सीबीआई ने आरोपितों की हिरासत अवधि बढ़ाने के पक्ष में कोर्ट के सामने तीन महत्वपूर्ण और ठोस विधिक आधार प्रस्तुत किए।

जांच एजेंसी की पहली दलील यह थी कि त्विषा के शव का जो दोबारा पोस्टमार्टम (शव परीक्षण) कराया गया था, उसकी विस्तृत और अंतिम फारेंसिक रिपोर्ट आना अभी बाकी है। दूसरी दलील में एजेंसी ने स्पष्ट किया कि इस संवेदनशील मामले से जुड़े कई मुख्य और महत्वपूर्ण गवाहों के बयानों को दर्ज करने की प्रक्रिया अभी अधूरी है। तीसरी और अंतिम दलील डिजिटल साक्ष्यों को लेकर थी, जिसमें बताया गया कि मृतका और आरोपितों के सोशल मीडिया के अल्ग- अलग माध्यम, उनके आपसी संवाद (चैट्स) तथा अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों की तकनीकी जांच अभी जारी है।न्यायालय ने जांच एजेंसी के इन सभी तर्कों को न्यायसंगत और प्रासंगिक माना। उस आधार पर न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ाने के निर्देश जारी किए।एक्ट्रेस-मॉडल त्विषा शर्मा मौत मामले में आरोपित पति समर्थ सिंह और सास सेवानिवृत्त जज गिरिबाला सिंह की न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ा दी गई है।इससे पहले रिमांड पूरी होने पर मंगलवार को दोनों आरोपित को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट के सामने पेश किया गया।इस दौरान गिरिबाला सिंह ने कोर्ट से कहा कि जेल में उन्हें जो हिंदी और अंग्रेजी अखबार दिए जा रहे हैं, उनमें उनके केस से जुड़ी खबरें काटकर अलग कर दी जाती हैं। उन्हें पूरा अखबार पढ़ने को दिया जाए। साथ ही वकीलों से मुलाकात के लिए निर्धारित 20 मिनट की समय-सीमा समाप्त की जाए। मामले की प्रकृति को देखते हुए कानूनी सलाह के लिए अधिक समय की आवश्यकता है।

एमसीयू में ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 जुलाई तक

भोपाल,(ए.)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। ऐसे अभ्यर्थी जो अभी तक फॉर्म नहीं भर सके थे वे 10 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि ऑनलाइनआवेदन केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट अथवा एम.पी.ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। विश्वविद्यालय द्वारा यह कदम विद्यार्थियों की सुविधा और अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

श्रमिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और सुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री श्री पटेल

तीनों श्रमिक कल्याण मंडलों की बैठक में मंत्री श्री पटेल ने योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के दिए निर्देश

भोपाल,(ए.)। श्रमिकों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रमिक कल्याण से जुड़ी सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने यह निर्देश मध्यप्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल, मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल तथा मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की महत्वपूर्ण बैठक के दौरान दिए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। नई श्रम संहिताएं श्रमिकों को नया संरक्षण प्रदान करते हुए उनके कल्याण के लिए

संचालित व्यवस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप श्रम कल्याण संबंधी प्रावधानों को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाया जाए, जिससे कर्मचारी और नियोक्ता के मध्य बेहतर संबंध स्थापित हों और औद्योगिक विकास को गति मिले। श्रम मंत्री श्री पटेल की पहल पर श्रमिकों के बच्चों के लिए मेधा छात्र उन्नयन छात्रवृत्ति योजना । प्रारंभ करने का बड़ा निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत मध्यप्रदेश और सीबीएसई बोर्ड में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले 100 मेधावी विद्यार्थियों को 7,500 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके अलावा, श्रमिकों को स्वास्थ्य से जोड़ने के लिए प्रदेश के 422 संस्थानों में योग गतिविधियां चलाई जा रही हैं। बुरहानपुर और नरसिंहपुर में आदर्श श्रम कल्याण केंद्र विकसित किए जा रहे हैं, जबकि इंदौर और ग्वालियर में भी ऐसे केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है।बैठक में जानकारी दी गई कि नई श्रम संहिताओं (वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं नियम-2026) के माध्यम से श्रमिकों को अधिक सुरक्षा और सुविधाएं मिलेंगी। इसके तहत न्यूनतम वेतन का दायरा सभी वर्गों तक बढ़ाया गया है, मातृत्व अवकाश को 26 सप्ताह सुनिश्चित किया गया है तथा गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्करों की सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसके साथ ही, असंगठित श्रमिकों के उपचार के लिए शीघ्र ही एक नई स्वास्थ्य सहायता योजना शुरू की जाएगी

और पंजीकृत श्रमिकों के लिए सुरक्षित परिवहन व्यवस्था की जाएगी।निर्माण श्रमिकों के कल्याण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि मंडल द्वारा प्रसूति सहायता योजना में 190.84 करोड़ रुपये और अनुग्रह सहायता में 23.36 लाख रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 92.95 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है।

नियुक्ति की मांग को लेकर डीपीआई का घेराव, चयनित अभ्यर्थियों का अनिश्चितकालीन आंदोलन

भोपाल(ए.)। प्रदेश में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही शिक्षा व्यवस्था का एक बड़ा विरोधाभास राजधानी भोपाल में देखने को मिला। एक ओर सरकारी स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल लौट आई, वहीं दूसरी ओर नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हजारों चयनित शिक्षक लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) के बाहर धरने पर बैठ गए। माध्यमिक शिक्षक (वर्ग-2) भर्ती 2024 के चयनित अभ्यर्थियों ने मंगलवार को अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया और आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे सैकड़ों अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि चॉइस फिलिंग प्रक्रिया पूरी हुए छह महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक नियुक्ति आदेश जारी नहीं किए गए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया के हर चरण में उन्हें संघर्ष करना पड़ा और अब चयनित होने के बाद भी नौकरी के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है।

9-10 बार भोपाल आ चुके, हर बार मिला सिर्फ आश्वासन

प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने कहा कि वे पिछले कई महीनों में 9 से 10 बार भोपाल आ चुके हैं। शिक्षा मंत्री सहित विभागीय अधिकारियों से कई दौर की चर्चा हुई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। अभ्यर्थियों का आरोप है कि शिक्षा मंत्री ने स्वयं आश्वासन दिया था कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी, लेकिन सत्र शुरू होने के बावजूद नियुक्ति आदेश जारी नहीं हुए। एक अभ्यर्थी ने कहा, हमें कहा गया था कि स्कूल खुलने से पहले जॉइनिंग मिल जाएगी, लेकिन आज हम स्कूलों में पढ़ाने के बजाय सड़क पर बैठकर अपनी नौकरी मांग रहे हैं।शहडोल से आए चयनित अभ्यर्थी सलमान ने बताया कि चयन सूची जारी होने और सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बावजूद नियुक्ति नहीं मिलने से वे सामाजिक और मानसिक दबाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लोग लगातार पूछते हैं कि नौकरी कब ज्वाइन कर रहे हो। कई लोग तो यह तक कहने लगे हैं कि हम झूठ बोल रहे हैं। इस स्थिति ने हमें मानसिक रूप से परेशान कर दिया है।टीकमगढ़ के रमाकांत ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को चार साल से अधिक समय हो चुका है। परीक्षा, परिणाम और चयन तक के हर चरण में अभ्यर्थियों को आंदोलन करना पड़ा। हर सप्ताह हमें सिर्फ आश्वासन मिलता है। अब कई अभ्यर्थी यह तय करके आए हैं कि जब तक नियुक्ति नहीं होगी, तब तक भोपाल से वापस नहीं लौटेंगे।

आंगनवाड़ी दीदी के प्रयास से कुपोषण के चक्रव्यूह से बाहर आई मासूम माहिका

भोपाल(ए.)। भोपाल जब सरकारी प्रयास और एक माँ का संकल्प आपस में मिलते हैं, तो कुपोषण जैसी गंभीर चुनौती को भी मात दी जा सकती है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जमीनी प्रयासों और पोषण

पखवाड़ा अभियान की सफलता की एक बेहद भावुक और प्रेरक कहानी ग्वालियर जिले से सामने आई है। यहाँ के शहरी परियोजना-01 के अंतर्गत आने वाले पीएचई कॉलोनी (सेक्टर 3, वार्ड 7) आंगनबाड़ी केंद्र की सजगता से सैम' (SAM - Severe Acute Malnutrition) यानी गंभीर कुपोषण की शिकार एक मासूम बच्ची अब पूरी तरह स्वस्थ और सामान्य श्रेणी में आ चुकी है। इस सफलता ने न केवल एक परिवार को खुशियाँ लौटाई हैं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए कुपोषण के खिलाफ जंग में एक अनूठा उदाहरण पेश किया है। ग्वालियर की पीएचई कॉलोनी में रहने वाली श्रीमती मोना के घर 14 मार्च 2025 को बेटी माहिका का जन्म हुआ था। जन्म के कुछ महीनों बाद ही माहिका का स्वास्थ्य बिगड़ने लगा और वह शारीरिक रूप से कमजोर होने लगी। जनवरी 2026 में जब आंगनबाड़ी केंद्र पर उसका वजन और लंबाई मापी गई, तो आंकड़े बेहद चिंताजनक थे। महज 5 किलो 500 ग्राम वजन और 68 सेंटीमीटर लंबाई के साथ माहिका सैम (गंभीर कुपोषण) की श्रेणी में जा चुकी थी। एक माँ के लिए अपनी संतान को इस हालत में देखना किसी सदमे से कम नहीं था। माहिका की इस गंभीर स्थिति को देखते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती माधुरी राजावत ने तुरंत मोर्चा संभाला। उन्होंने 19 जनवरी 2026 को माहिका को विशेष 'C-SAM' कार्यक्रम के तहत पंजीकृत किया और उस पर विशेष ध्यान देना शुरू किया।

जनसुनवाई में भावुक कर देने वाला दृश्य, जांच के निर्देश

कलेक्टर के पैरों में गिरकर मां बेटी ने लगाई न्याय की गुहार

जबलपुर, (ए.)। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान एक भावुक कर देने वाला दृश्य देखने को मिला। घमापुर क्षेत्र की एक महिला अपनी बेटी के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंची और न्याय की गुहार लगाते हुए कलेक्टर के चरणों में गिर पड़ी। मां बेटी ने हाथ जोड़कर अपनी सुरक्षा एवं शिकायतों पर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।

महिला ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व उसके मोहल्ले में रहने वाले एक परिवार के साथ उसका विवाद हुआ था। इस दौरान कथित रूप से उसके घर में घुसकर मारपीट की गई थी, जिसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई थी। मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। महिला का आरोप है कि अब उसी प्रकरण को वापस लेने के लिए उस पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है।

महिला के अनुसार समझौते के लिए मना करने पर दबंगो द्वारा उसे और उसके परिवार को परेशान किया जा रहा है। उसने आरोप लगाया कि संबंधित लोग उसके घर पहुंचकर गाली-गलौज करते हैं तथा धमकियां देकर भय का माहौल बना रहे हैं। इससे उसके परिवार का सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है।

जनसुनवाई में महिला ने पुलिस पर भी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया। उसका कहना था कि शिकायत लेकर थाने पहुंचने पर उसे अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। हालांकि महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

महिला ने बताया कि वह पूर्व में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी आवेदन दे चुकी है, लेकिन राहत नहीं मिलने पर अंतिम उम्मीद के तौर पर जनसुनवाई में पहुंची। उसने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की। पूरे घटनाक्रम के दौरान कलेक्टर ने महिला की शिकायत गंभीरता से सुनी और संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मौजूद लोगों के लिए यह दृश्य चर्चा का विषय बना रहा। अब सभी की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

कुण्डेश्वरधाम जनकल्याण शिविर में हजारों हितग्राहियों को मिला लाभ

पहले दिन प्राप्त हुए 2,304 आवेदन

जबलपुर (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिले में जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज 15 जून को कुण्डेश्वरधाम स्थित मंडी प्रांगण में सिहोरा विधायक संतोष वरकड़े के मुख्य आतिथ्य में 22 पंचायतों के लिए जनकल्याणकारी शिविर आयोजित किया गया। जनकल्याण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जिसके माध्यम से योजनाओं और उनके लाभों की जानकारी दी गई, साथ ही पात्र हितग्राहियों को हितलाभ और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। पहले दिन कुण्डेश्वरधाम में लगे जनकल्याणकारी शिविर में कुल 2,304 आवेदन प्राप्त हुए हैं। शिविर में पूर्व विधायक श्रीमती नंदनी मरावी, ग्राम पंचायत कुण्डेश्वरधाम की सरपंच श्रीमती अर्चना साहू, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी सुश्री प्रगति गनवीर, तहसीलदार वीरबहादुर सिंह धुर्वे, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अशोक मरावी, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी सुश्री पूनम वरकड़े, सचिव, उपयंत्री सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

अपर आयुक्त ने निरीक्षण कर सीवर समस्या निराकरण के दिए निर्देश

ग्वालियर (ए.)। दीनदयाल नगर की सीवर एवं जलभराव समस्या के निराकरण को लेकर अपर आयुक्त टी प्रतीक राव ने कुंजविहार फेज 1, 2 सहित कई कॉलोनियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीवर समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए हैं।

अपर आयुक्त टी प्रतीक राव ने कुंजविहार फेज 1 एवं 2 में सीवर समस्या को लेकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां पर आम जनों से बात की। आमजनों ने सीवर समस्या की गंभीरता को बताया। अपर आयुक्त ने तत्काल वहां पर नई सीवर लाइन डालने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने अटल नगर में नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और कार्य को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने पुष्कर कॉलोनी एवं रचना नगर में रोड एवं नाली निर्माण कार्य को देखा और जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।बलिदान मेला कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षणअपर आयुक्त टी प्रतीक राव ने लक्ष्मीबाई मैदान में आयोजित होने वाले वीरांगना लक्ष्मीबाई बलिदान मेला की तैयारियों का निरीक्षण किया। अपर आयुक्त ने तैयारियों को समयसीमा में पूर्ण करने एवं नगर निगम की प्रदर्शनी को बेहतर तरीके से सजाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री सुरेश अहिरवार, सहायक यंत्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, अमित गुप्ता, संभागीय जनसंपर्क अधिकारी मधु सोलापुरकर, नोडल जनसंपर्क अधिकारी पवन शर्मा, मदाखलत अधिकारी केशव चौहान उपस्थित थे।

रबड़ी खाने जा रहे दो दोस्तों की बाइक फिसली, ट्रॉले से कुचलकर एक की मौत

राजगढ़ (ए.)। राजगढ़ जिले के खिलचीपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों दोस्त बाइक से रबड़ी खाने राजस्थान सीमा की ओर जा रहे थे, तभी राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई।पुलिस के अनुसार ब्यावरा निवासी संजय रजक (25) अपने मित्र प्रेम उर्फ मामा गोस्वामी (48) के साथ बाइक से ग्राम सरहदी की ओर जा रहा था। उन्हें किसी परिचित ने वहां की प्रसिद्ध रबड़ी के बारे में बताया था। दोपहर में दौलाज गांव स्थित श्मशान घाट के सामने बाइक अचानक फिसल गई। हादसे में चालक संजय सड़क पर घिसटता हुआ गिरा, जबकि पीछे बैठे प्रेम उर्फ मामा हाईवे पर जा गिरे।इसी दौरान भोजपुर से खिलचीपुर की ओर जा रहा तेज रफ्तार ट्रॉला प्रेम के ऊपर से गुजर गया। हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए।सूचना मिलते ही खिलचीपुर थाना प्रभारी कमलसिंह गहलोत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से शव को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

मालवा में बनेगा भगवान विश्वकर्मा का भव्य मंदिर, 150 वर्ष पुरानी धरोहर का होगा जीर्णोद्धार

नागदा, (ए.)। मध्य प्रदेश के मालवा अंचल के जूना गुजराती सुतार विश्वकर्मा समाज ने अपनी ऐतिहासिक धार्मिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। उज्जैन जिले के ग्राम पलवा स्थित लगभग 150 वर्ष पुराने भगवान विश्वकर्मा मंदिर के जीर्णोद्धार एवं पुनर्निर्माण का निर्णय लिया गया है। इस उद्देश्य से गांव पलवा में समाज की केंद्रीय समिति के मार्गदर्शन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें मंदिर निर्माण और संरक्षण की रूपरेखा तय की गई।

बैठक की अध्यक्षता कांतिलाल विश्वकर्मा (कनासिया, शाजापुर) ने की, जबकि केंद्रीय समिति के अध्यक्ष अशोक शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। समाज के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने मंदिर के संरक्षण को लेकर व्यापक चर्चा की और निर्माण कार्य को गति देने के लिए नई समिति का गठन किया।

समिति के सचिव डॉ. श्रीराम शर्मा ने बताया कि यह मंदिर अपनी अद्वितीय लकड़ी की नक्काशी और पारंपरिक स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध रहा है। समय के साथ मंदिर जर्जर स्थिति में पहुंच गया है, जिसके कारण इसके संरक्षण और पुनर्निर्माण की आवश्यकता महसूस की गई। प्रस्तावित मंदिर का निर्माण लगभग 1600 वर्गफीट क्षेत्र में किया जाएगा।

निर्माण कार्य पर करीब 35 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है। इसके लिए आवश्यक राशि समाजजनों के सहयोग और जनभागीदारी से जुटाई जाएगी। बैठक में इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, झाबुआ, शाजापुर और आगर जिलों से लगभग 150 समाजजन शामिल हुए। सभी ने मंदिर निर्माण अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग का संकल्प लिया।

छत से गिरने पर 7 वर्षीय मासूम की मौत, जांच शुरु

राजगढ़(ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम संवासी में एक दर्दनाक हादसे में 7 वर्षीय बालक की मौत हो गई। अंधेरे में छत से गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हुए मासूम ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरु की।पुलिस के अनुसार ग्राम संवासी निवासी योगेश (7) पुत्र बबलू वर्मा रात के समय घर की छत पर गया था। बताया जा रहा है कि अंधेरा होने के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह छत से नीचे गिर पड़ा। गिरने से उसके सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं। परिजन तत्काल उसे नरसिंहगढ़ सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

व्यापार समाचार

सोने और चांदी के दामों में गिरावट, भाव 1.47 प्रतिशत तक लुढ़का

मुंबई (ए.)। लगातार दो सत्रों की तेजी के बाद सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 1.47 प्रतिशत तक कम हो गया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,916 रुपए के मुकाबले 25 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 1,52,891 रुपए पर खुला। दोपहर 12 बजे यह 0.27 प्रतिशत या 420 रुपए की कमजोरी के साथ 1,52,496 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,358 रुपए का निचला स्तर और 1,53,161 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। इसी प्रकार चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,51,458 रुपए के मुकाबले 2,50,457 रुपए पर खुला। फिलहाल यह 3,709 रुपए या 1.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,47,749 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,46,544 रुपए का निचला स्तर और 2,51,467 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। वायदा के साथ हाजिर बाजार में भी कीमतों में बदलाव देखने को मिला है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 552 रुपए कम होकर 1,50,094 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,50,646 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने का दाम 1,37,922 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 1,37,486 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 18 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,12,571 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,12,985 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, चांदी की कीमत 4,421 रुपए कम होकर 2,47,067 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,51,488 रुपए प्रति किलो हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोना 0.29 प्रतिशत कमजोर होकर 4,339 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.92 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 69.53 डॉलर प्रति औंस हो गया है।

केंद्र ने डीजल और एटीएफ के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया, पेट्रोल पर शुल्क में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने मंगलवार से डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल गेन टैक्स बढ़ा दिया है। हालांकि, पेट्रोल पर शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया है। विंडफॉल गेन टैक्स की समीक्षा हर 15 दिन में की जाती है और कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर भी इसका निर्धारण किया जाता है।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया कि सरकार ने डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) को बढ़ाकर 14 रुपए प्रति लीटर कर दिया है, जो कि पहले 13.5 रुपए प्रति लीटर था। वही, एटीएफ पर एसएईडी को बढ़ाकर 12.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया है, जो कि पहले 9.5 रुपए प्रति लीटर है। हालांकि, पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है और इसे 1.5 रुपए प्रति लीटर पर जारी रखा गया है।सरकार ने घरेलू खपत के लिए उपयोग होने वाले पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया है और इससे घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला है। इसके कारण सरकार ने 26 मार्च को डीजल और एटीएफ के निर्यात पर शुल्क लगाने का फैसला किया था। 16 मई को पेट्रोल पर निर्यात शुल्क लगाया गया था।विंडफॉल टैक्स के जरिए सरकार की कोशिश घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतों को स्थिर रखना था। इस कदम का मकसद निर्यातकों को कीमतों के अंतर का गलत फायदा उठाने से रोकना है, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं साथ ही, इसका उद्देश्य वेस्ट एशिया संकट के बीच निर्यात को हतोत्साहित करके पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 544, निफ्टी 135 अंक उछला

मुंबई (ए.)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। इसी कारण लगातार दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 544.15 अंक बढ़कर 76,808.48 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 135.25 अंक उछलकर 23,989.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 76,846.74 अंक तक पहुंच गया था जबकि निफ्टी भी 24,002.60 के उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। वहीं व्यापक कारोबार में निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.40 फीसदी से ज्यादाकी बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी ऑटो, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मेटल को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान में बंद हुए। वहीं निफ्टी आईटी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी रियल्टी में भी 1-2 फीसदी की बढ़त रही। आज कारोबार के दौरान निफ्टी में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाली कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, एचयूएल और ओएनजीसी शामिल रहीं, जबकि हिंडाल्को, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी लाइफ, आइशर मोटर्स और मारुति सुजुकी टॉप के शेयर सबसे अधिक गिरे।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच हुए औपचारिक शांति समझौते तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की योजना से भी निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। इन घटनाओं से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधा और भू-राजनीतिक तनाव को लेकर बनी चिंताएं काफी हद तक कम हुई हैं, जिससे दुनिया भर के बाजारों में सकारात्मक माहौल बना है। भू-राजनीतिक तनाव कम होने से सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग घटी है, जिसका फायदा भारतीय रुपए को मिला। इसी कारण रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूत होकर 95 रुपए के स्तर से नीचे पहुंच गया और करीब 94.6 के आसपास कारोबार करता दिखा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.56 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी मुद्रा बाजार में रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में अपनी पकड़ मजबूत की, वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट और पश्चिम एशिया में तनाव में कमी ने इसे सहारा दिया। मंगलवार के कारोबारी दिन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में हल्की तेजी दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 5 पैसे मजबूत होकर 94.53 के स्तर पर पहुंच गया। इस मजबूती के पीछे दो मुख्य कारक जिम्मेदार रहे। पहला, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट, जिससे आयात बिल कम होने की उम्मीद जगी। दूसरा, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना, जिससे वैश्विक बाजार में स्थिरता का माहौल बना। वहीं गत दिवस सोमवार के कारोबारी सत्र में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 58 पैसे की मजबूती के साथ 94.60 पर बंद हुआ था।

अकासा एयर ने नवी मुंबई से नोएडा के बीच शुरू की उड़ान सेवा

मुंबई,। (ए.)। अकासा एयर ने मुंबई और नोएडा के बीच अपनी उड़ान सेवाएं शुरू कर दी हैं। घरेलू एयरलाइन कंपनी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से मंगलवार सुबह क्यूपी-2017 विमान को रवाना करते हुए नव निर्मित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए सेवाएं शुरू कर दी, जिससे मुंबई महानगर क्षेत्र और दिल्ली-एनसीआर के बीच अकासा एयर की सीधा हवाई संपर्क स्थापित हो गया है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एनएमआईएएल) के प्रवक्ता के अनुसार अकासा एयर की पहली उड़ान सुबह साढ़े सात बजे नवी मुंबई से रवाना हुई और यह दोपहर साढ़े 12 बजे वापस नवी मुंबई हवाई अड्डे पहुंची। एयरलाइन इस मार्ग पर सप्ताह में सात उड़ानों का संचालन करेगी। अकासा एयर ने एक्स पोस्ट में बताया कि आज हमारी यात्रा में एक अहम पड़ाव है, क्योंकि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हमारी पहली फ्लाइट ने उड़ान भरी, जिससे एनसीआर में हमारी मौजूदगी और मज़बूत हुई है।

भारतीय रेलवे ने अहमदाबाद डिवीजन के लिए कवच सुरक्षा परियोजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय रेलवे ने सुरक्षा बढ़ाने के उपायों के तहत गुजरात के वेस्टर्न रेलवे के अहमदाबाद डिवीजन के 48 ब्लॉक खंडों में फैले 598 किलोमीटर के मार्ग पर कवच संस्करण 4.0 की स्थापना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना को 140 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत किया गया है।

इससे पहले, अहमदाबाद डिवीजन के 702 किलोमीटर के मार्ग पर 'कवच' कार्य को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी थी। वर्तमान परियोजना की मंजूरी के साथ, डिवीजन के शेष खंडों को भी कवच के दायरे में लाया जाएगा, जिससे पूरे डिवीजन में स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली की व्यापक तैनाती का मार्ग प्रशस्त होगा।भारतीय रेलवे के शेष मार्गों पर दीर्घकालिक विकास (एलटीई) आधारित संचार बैकबोन के साथ कवच उपलब्ध कराने के लिए व्यापक कार्यक्रम के तहत इस कार्य को मंजूरी दी गई है। 'कवच' स्वदेशी रूप से विकसित ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) सिस्टम है, जिसे परिचालन सुरक्षा बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह खतरे के सिग्नल पार करने (एसपीएडी) को रोकने में मदद करता है, असुरक्षित स्थितियों से बचने के लिए आवश्यकता पड़ने पर ऑटोमैटिक रूप से ब्रेक लगाता है, गंभीर परिस्थितियों में ट्रेन की गति को नियंत्रित करता है और टक्करों के जोखिम को काफी हद तक कम करता है।

E20 पेट्रोल भरवाने से गाड़ी का इंश्योरेंस क्लेम हो जाएगा रिजेक्ट? सरकार ने बता दिया वायरल दावों का पूरा सच

नई दिल्ली ,(ए.)। ई20 ईंधन के इस्तेमाल से गाड़ियों के इंश्योरेंस क्लेम खारिज होने के दावे को पीआईबी ने मंगलवार को फर्जी बताया। साथ ही कहा कि ई20 ईंधन के उपयोग के बाद भी मोटर वाहन की इंश्योरेंस पॉलिसी पूरी तरह से वैध रहेगी।सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत आने वाली पीआईबी फैक्टचेक यूनिट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि ई20 ईंधन का इस्तेमाल करने से गाड़ी के इंश्योरेंस क्लेम रिजेक्ट हो सकते हैं।यह दावा पूरी तरह से फर्जी है। ई20 ईंधन का इस्तेमाल करने के बाद भी आपकी मोटर वाहन की इंश्योरेंस पॉलिसी पूरी तरह से वैध है।इसके साथ पीआईबी ने आगे कहा कि इस तरह के दावों पर विश्वास और शेयर करने से पहले एक बार आधिकारिक स्रोतों से जानकारी को वेरीफाई जरूर करें।इसके अतिरिक्त, भारत में केपीएमजी की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि देश का एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम काफी बड़े स्तर पर पहुंच गया है और अब पूरे देश में ई20 फ्यूल का इस्तेमाल शुरू हो गया है।रिपोर्ट में उन अवसर और चुनौतियों का विश्लेषण किया गया है जो इस सेक्टर केई20 से आगे बढ़ने पर सामने आ सकते हैं। इनमें फीडस्टॉक की उपलब्धता, सप्लाई चेन की क्षमता, इन्फ्रास्ट्रक्चर की तैयारी और पॉलिसी में तालमेल जैसे मुद्दे शामिल हैं।

सरकार आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने, ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और पर्यावरण की स्थिरता को बढ़ावा देने की अपनी व्यापक रणनीति के तहत एथेनॉल-ब्लेंडेड पेट्रोल के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है।सरकार ने जून में 'विश्व पर्यावरण दिवस 2026' पर एक इंडियनऑयल रिटेल आउटलेट पर ई85 फ्यूल लॉन्च किया था।

इसके जरिए सरकार की कोशिश एथेनॉल के उपयोग को बढ़ाना है।ई85 फ्यूल अभी सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा चलाए जा रहे 48 रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है।सरकार की योजना दिसंबर 2026 तक इसे 500 आउटलेट्स और दिसंबर 2027 तक लगभग 5,000 आउटलेट्स पर उपलब्ध कराना है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

भारत विरोधी रुख

यूरोपियन यूनियन और पाकिस्तान के साझा बयान में भारत के नजरिए से कई आपत्तिजनक बातें हैं। यूक्रेन युद्ध के साथ कश्मीर का उल्लेख और कश्मीर को अनसुलझा मुद्दा बताना स्पष्टतः भारत विरोधी रुख है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पिछले हफ्ते हुई चीन यात्रा के समय जारी साझा बयान में जम्मू-कश्मीर का जिक्र हुआ। चीन ने जम्मू-कश्मीर को इतिहास से जन्मा विवाद कहा। दोनों पक्षों ने इस मुद्दे के शांतिपूर्ण और उचित समाधान की बात कही। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों, द्विपक्षीय समझौतों, और संबंधित पक्षों की आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। स्पष्टतः यह भारत विरोधी बयान था। उचित ही भारत सरकार ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई और कश्मीर संबंधी उन टिप्पणियों को सिरे से ठुकरा दिया।

बहरहाल, अब यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने पाकिस्तान के साथ अपने साझा बयान में जो कहा है, वह चीन की टिप्पणियों से भी आगे जाता मालूम पड़ा है। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काया काल्लास की इस्लामाबाद यात्रा के समय जारी वक्तव्य में कहा गया- 'पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे की जानकारी दी। ईयू ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध की जानकारी दी। दोनों पक्षों ने इन टकरावों का संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के अनुरूप बातचीत एवं कूटनीति से शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया।' स्पष्टतः इस कथन में कई आपत्तिजनक बातें हैं। यूक्रेन युद्ध के साथ कश्मीर का उल्लेख और कश्मीर को अनसुलझा मुद्दा बताना सीधे तौर पर भारत विरोधी रुख है। यहां तक कि चीन ने भी भारत- पाकिस्तान के द्विपक्षीय समझौतों का उल्लेख किया था, जबकि ईयू ने उनकी भी अनदेखी कर दी है।

एक अलग टिप्पणी में काल्लास ने पाकिस्तान को महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय शक्ति बताया। पिछले कई दशकों से भारतीय विदेश नीति का एक प्रमुख उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के संरक्षक पाकिस्तान को अलग-थलग करना रहा है। 2008 के मुंबई हमलों के बाद इस दिशा में कई अहम कामयाबियां भी मिली थीं। मगर अब पाकिस्तान को क्यों अहमियत एवं अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता मिल रही है, यह कठिन प्रश्न हमारे सामने है। चीन और 57 सदस्यों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन का हाथ तो हमेशा पाकिस्तान की पीठ पर रहा है, मगर ईयू और अमेरिका के डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने भी उसे अहमियत दें, तो क्या इसे भारतीय विदेश नीति की कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाएगा?

राम नाम जपना, पराया माल अपना: अयोध्या में चोरी

दिलीप कुमार पाठक

अयोध्या के राम मंदिर में चोरी हो गई है! जी हां, इस बार चोरों ने भगवान का सोने का मुकुट या गर्भगृह के आभूषण नहीं छुए, बल्कि सीधे श्रद्धालुओं के उस चढ़ावे और दान पर हाथ साफ कर दिया जिसे देश-दुनिया के लोगों ने अपनी अगाध श्रद्धा से अर्पित किया था। मंदिर के दानपात्रों से करोड़ों रुपये गायब होने की इस सनसनीखेज खबर ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आनन-फानन में एसआईटी का गठन कर दिया गया है। लखनऊ के कमिश्नर की अगुवाई में जांच टीम अयोध्या के कोने-कोने को खंगाल रही है, संदिग्धों से पूछताछ हो रही है और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। लेकिन आइए, पुलिसिया कार्रवाई से हटकर जरा इस सच्चाई को देखना ज़रूरी हो गया है। यह चोरी सिर्फ नोटों की गड्डियों की नहीं है, यह असल में हम इंसानों के भरोसे और हमारी भक्ति की चोरी है। हम अक्सर बड़े चाव से गाते और सुनते हैं कि राम जी की मर्जी के बिना इस दुनिया में एक पत्ता भी नहीं हिलता, लेकिन हैरानी की बात है कि मंदिर के भीतर तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों के कड़े पहरे में, भारी सुरक्षा तंत्र के बीच, करोड़ों रुपये हिल गए, गायब हो गए और वहां मौजूद जिम्मेदार लोगों को भनक तक नहीं लगी। सबसे बड़ा दुर्भाग्य तो उन लोगों पर है जो चौबीसों घंटे राम नाम की माला जपते हैं, दूसरों को ईमानदारी का पाठ पढ़ाते हैं, पर मौका मिलते ही इस घिनौने खेल में शामिल हो जाते हैं।जांच में पता चला है कि दान की रकम गिनने वाले कुछ सेवादारों के घरों से लाखों का कैश बरामद हुआ है। जो कर्मचारी कुछ महीने पहले तक बीस-पच्चीस हजार की मामूली नौकरी पर आए थे, वे आज करोड़ों की जमीनों के सौदे कर रहे हैं। इसे ही शायद कलयुग का राम नाम जपना, पराया माल अपना वाला चमत्कार कहते हैं। त्रिलोक के स्वामी की आंखों के सामने ऐसा दुस्साहस करने वालों को भगवान का जरा भी डर नहीं रहा। टीवी चैनलों पर चिल्ला-चिल्लाकर बहसें हो रही हैं कि चोर कौन है? लेकिन कोई यह नहीं पूछ रहा कि जिस पावन मंदिर के नाम पर देश के आम नागरिकों की भावनाओं को जोड़ा गया, वहां पैसे गिनने वाले हाथ इतने अपवित्र कैसे हो गए? क्या उन्हें इस बात का बिल्कुल अहसास नहीं था कि वे भगवान के घर में ही सेंध लगा रहे हैं? यह पूरी घटना हमारे समाज के उस पाखंड का सजीव आईना है, जहां हम पत्थरों की भव्यता और सोने की चमक में इतने अंधे हो चुके हैं कि धर्म के नाम पर चलने वाली दुकानों को देखना ही नहीं चाहते। हम वीआईपी पास लेकर गर्व से दर्शन तो करते हैं, लेकिन व्यवस्था के भीतर पनप रहे इस सड़ांध पर आंखें मूंद लेते हैं।

अब एसआईटी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, कुछ मोहरे पकड़े जाएंगे और जेल जाएंगे। लेकिन इस चोरी ने हर उस गरीब और सच्चे भक्त का दिल छलनी कर दिया है, जिसने भूखे पेट रहकर भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक रुपया रामलला के चरणों में अर्पित किया था। राम जी तो घट-घट वासी हैं, वे सब देख रहे हैं। वे शायद मन ही मन मुस्कुराते हुए सोच रहे होंगे कि यह इंसान भी कितना अजीब जीव है; मेरे ही नाम पर आलीशान महल बनाता है, पूरी दुनिया से चंदा मांगता है, और फिर मौका मिलते ही मेरी ही जेब काट लेता है।

(चिंतन-मनन) उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी।

अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया।

सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को से मिटाया जाता है क्या अंधेरा से मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

(विचार मंथन) ट्रंप की हां नेतन्याहू की ना ईरान की वाह-वाह

सनत जैन

ईरान और अमेरिका के बीच शांतिवार्ता सफल हुई, अब शुक्रवार अर्थात जुम्मे के दिन समझौते पर हस्ताक्षर होने की बात कही जा रही है। इस समझौते को लेकर सारी दुनिया के देशों में एक सुखद प्रतिक्रिया देखने को मिली है। वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की प्रतिक्रिया इस समझौते को लेकर ना वाली है। जिसके कारण ईरान और अमेरिका के बीच जो समझौता हुआ है उस पर हस्ताक्षर होने के पहले ही विवादों में फंस गया है। ऐसा लगता है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर इन दिनों शनि, राहु और केतु की क्रुद्ध दृष्टि है, जिसके कारण वह जो सोचते हैं ठीक उसके विपरीत होता है। समय और काल का प्रभाव पूरे ब्रह्मांड में रहता है, यही कारण है दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति को यह दिन देखना पड़ रहे हैं। वह ईरान के साथ युद्ध से बाहर निकलने के लिए अभी तक कई प्रयास कर चुके हैं। 40 बार से अधिक दफा झूठ बोल चुके हैं। उसके बाद भी वह इस युद्ध की विभीषिका से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। हाल ही में जी7 के सम्मेलन में भी उन्हें अपने सहयोगी देशों से सहयोग नहीं मिला, जिसकी वह आशा करके जी7 के सम्मेलन में गए थे। जिस तरह से निकाह में लड़की से पूछा जाता है कि तुम निकाह के लिए राजी हो या नहीं, इस अवसर पर काजी उपस्थित रहता है लड़की यदि हां कर देती है, इसके बाद काजी साहब निकाह की रस्म अदा करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समझौते पर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू हां नहीं कर पाए हैं। यही वजह है कि शांति समझौते को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जो प्रयास किए गए थे वह सब निष्फल होते हुए नजर आ रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि इजरायल स्वतंत्र राष्ट्र है इस पर यह समझौता लागू नहीं किया जा सकता है। इजराइल अमेरिका का गुलाम नहीं है। ऐसा कहकर उन्होंने अपनी तीव्र प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से जाहिर कर दी है।

स्वस्थ भारत, सशक्त भारत-स्वास्थ्य देखभाल विकास के 12 वर्ष

श्रीमती अनुप्रिया पटेल

बेहतर स्वास्थ्य प्रणाली से आर्थिक उत्पादकता बढ़ती है, कार्यबल की संख्या में बढ़ोतरी होती है और विकास दीर्घावधि तक होता है। इसलिए, अच्छी सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा संकेत है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति भी है। यह वह आधार है, जिस पर मानवीय क्षमता का निर्माण होता है और देश की ताकत मापी जाती है। इसलिए, बेहतर सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति है और इसमें लगाया गया हर रुपया देश के लोगों में किया गया निवेश है।

इस तरह, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) , यानी यह सुनिश्चित करना कि सभी लोग, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, बिना किसी आर्थिक परेशानी के, जब और जहाँ ज़रूरत हो, अच्छी गुणवत्ता की सभी ज़रूरी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल कर सकें। यह न केवल 2030 तक हासिल किया जाने वाला सतत् विकास का लक्ष्य है, बल्कि सेहत से जुड़ी एक प्राथमिकता भी है।

भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 (एनएचपी 2017), सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) और एसडीजी 3 को हासिल करने के लक्ष्य के अनुरूप है और यह एक सरल लेकिन मज़बूत सोच पर आधारित है -स्वास्थ्य सेवाओं तक हर व्यक्ति की पहुँच होनी चाहिए। इसके चार स्तंभ, किफायती होना, पहुँच, गुणवत्ता और उपलब्धता , उस सोच को वास्तिवकता में बदलते हैं और जीवन के सभी चरणों में देखभाल की एक व्यापक व्यवस्था को मज़बूत करते हैं। लक्ष्यों के अनुरूप, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राज्यों को स्वास्थ्य प्रणाली का एक एकीकृत तीन-स्तरीय मॉडल प्रदान करने में मदद करता है, जिसमें ग्रामीण और शहरी इलाकों (कमज़ोर वर्गों सहित) के बीच दोतरफा रेफरल लिंक शामिल हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) प्राथमिक स्तर पर बीमारी से बचाव, सेहत को बढ़ावा देने, इलाज, पुर्नवास और प्रशामक देखभाल जैसी व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ देते हैं। ईसंजीवनी टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म इन एएएम के ज़रिए समुदाय को विशेषज्ञों से जोड़कर विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। साथ ही, एक खास टेली-मानस प्लेटफ़ॉर्म भी है, जिसने अब तक कुल 38.93 लाख लोगों तक पहुँच बनाई है।

एएएम से जुड़े द्वितीय स्तर के केंद्र जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी)/प्रथम रेफरल इकाई (एफआरयू) और ज़िला अस्पताल (डीएच) होते हैं, जो विशेषज्ञ के समक्ष इलाज और अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा के लिए रेफरल का पहला ज़रिया होते हैं। वहीं, मेडिकल कॉलेज जैसे तृतीयक संस्थान सबसे ऊपर होते हैं और ज़्यादा जटिल व सुपर-स्पेशलिस्ट सेवाओं की ज़रूरतें पूरी करते हैं।

इस तीन-स्तरीय प्रणाली को सरकारी स्वास्थ्य बजट में बढ़ोतरी का समर्थन प्राप्त है। पिछले दशक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पर होने वाला खर्च 168 प्रतिशत बढ़ गया है, जो स्वास्थ्य को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का सफ़र व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के विस्तार और प्रतिक्रियात्मक कार्यवाही से समस्या होने से पहले ही ध्यान रखने वाली देखभाल की ओर ज़रूरी बदलाव को दिखाता है। व्यापक स्वास्थ्य पैकेजों की संख्या 6 से बढ़ाकर 12 करना, भारत की बदलती आबादी और बीमारियों के बदलते पैटर्न के हिसाब से उठाया गया एक ज़रूरी कदम है। बढ़ती उम्र की आबादी और गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बढ़ते मामलों की दोहरी चुनौतियों का सामना करते हुए, इसके दायरे में गैर-संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य, बुजुर्गों की देखभाल, आपातकालीन सेवाएँ, आँख, कान-नाक-गला (ईएनटी) और मुँह की सेहत के साथ-साथ योग और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ शामिल हैं। यह सब उस आबादी की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो भारत अब बन रहा है।

मई 2026 तक, देश भर में 1.8 लाख से ज़्यादा एएएम काम कर रहे हैं, ताकि लोगों को उनके घर के पास स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें। इस विस्तार का असर एएएम में 120 करोड़ से ज़्यादा ओपीडी परामर्श, 70 करोड़ से ज़्यादा ईसंजीवनी टेली-परामर्श और अच्छी सेहत व कल्याण को बढ़ावा देने वाले 46.1 करोड़ से ज़्यादा वेलनेस सत्रों में साफ़ दिखता है।

प्राथमिक देखभाल स्तर पर, डायबिटीज, हाइपरटेंशन और आम कैंसर (जैसे ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर) के लिए आबादी-आधारित स्क्रीनिंग 30 साल से ज़्यादा उम्र के सभी वयस्कों के लिए की जाती है, जिससे बीमारी का जल्दी पता लगाना एक सामान्य प्रक्रिया बन जाती है। यह जांच आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत सेवा वितरण का एक अहम हिस्सा है, जो एनसीडी की रोकथाम को व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में शामिल करती है। एनसीडी सेवाओं का विस्तार बीमारी का जल्दी पता लगाने, रोकथाम, प्रबंधन और इलाज के लिए एक बहु स्तरीय प्रयास है। समर्पित एनसीडी क्लीनिक, डे-केयर कैंसर केंद्र , तृतीयक देखभाल कैंसर केंद्र और राज्य कैंसर संस्थान, उन्नत ऑन्कोलॉजी सेवाओं को विकेंद्रीकृत करते हैं और विशेषज्ञ देखभाल को मरीज़ के करीब लाते हैं।साथ ही, बचाव से जुड़ी गतिविधियों के लिए होल-ऑफ-गवर्नमेंट दृष्टिकोण अपनाया जाता है। एफएसएसएआई स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देता है, फिट इंडिया मूवमेंट शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है और आयुष मंत्रालय योग और कल्याण को आगे बढ़ाता है। लगातार चलने वाले जन-जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य दिवस मनाने जैसे कार्यक्रम इन प्रयासों को और मज़बूत करते हैं। खाने के तेल की खपत को 10 प्रतिशत कम करने की प्रधानमंत्री मोदी की निजी अपील एक सरल लेकिन दमदार सोच को ज़ाहिर करती है कि एनसीडी के ख़िलाफ़ लड़ाई अस्पतालों के साथ-साथ घरों में भी जीती जाती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के विस्तार के लिए, एएएम स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य ऑफिसर्स का एक नया कैडर शुरू किया गया, जिससे क्लीनिकल और जन स्वास्थ्य से जुड़ी विशेषज्ञता समुदायों के और करीब आ गई। यह विस्तार लोगों के घर-द्वार तक भी पहुँचा, जहाँ फ्रंटलाइन नेटवर्क बढ़कर 10 लाख से ज़्यादा आशा (आशा) कार्यकर्ताओं तक पहुँच गया, जिन्होंने समुदाय को स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ा।

विस्तार के साथ-साथ, भारत ने देखभाल के मापदंडों को बदलने की ज़्यादा मुश्किल चुनौती भी स्वीकार की। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक, जो देश में ही विकसित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणीकृत हैं, ने गुणवत्ता को सिर्फ़ एक इच्छा से बदलकर एक जवाबदेही बना दिया। 65,000 से ज़्यादा जन स्वास्थ्य केंद्र, जिनमें 54,926 आयुष्मान आरोग्य मंदिर शामिल हैं, अब एनक्यूएएस द्वारा प्रमाणीकृत हैं। इसके अलावा, आईपीएचएल के लिए लैब मानकों ने व्यवस्था में और मज़बूती और सटीकता लाई है।

मेष राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे जिनसे अच्छा ताल मेल बनेगा। छात्रों को आज किसी प्रैक्टिकल में सहपाठी की मदद मिलेगी, कार्य में आसानी होगी। राजनीति से जुड़े लोगों का पद बढ़ेगा, लोग आपका सपोर्ट करेंगे। आज आपका स्वास्थ अच्छा रहेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स के व्यापारियों का कारोबार तेजी से आगे बढ़ेगा।

वृष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। घर के किसी काम को लेकर आप कोई बड़ा फैसला कर सकते हैं। संतान की ओर से आपको अच्छी खुशखबरी मिल सकती है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। पसंदीदा खाना खाने के लिए आप कोई अच्छी डिश आर्डर कर सकते हैं। दफ्तर में कोई उलझा हुआ मामला आज सुलझ सकता है।

मिथुन राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। परिवार के साथ किसी ट्रिप पर जायेंगे, जहां खूब इंजॉय करेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को सफलता मिलती रहेगी। दाम्पत्य जीवन में चल रही नोक झोंक ख़त्म होगी, जीवनसाथी के साथ रिश्ता मजबूत बनेगा। वाहन खरीदने का विचार भाई से करेंगे, लाभदायक जानकारी मिलेगी।

कर्क राशि: आज आपका दिन मिला जुला रहने वाला है। लवमेट आज घूमने जाने का प्लान बनायेंगे। प्रतियोगी परीक्षा के लिये प्रयासरत छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। दांपत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा। स्वास्थ सम्बन्धी समस्या से आज आपको आराम मिलेगा।

सिंह राशि: आपका दिन आपके परिवार वालों के लिए खुशियां लेकर आया है। आज आपको शुभ सन्देश मिल सकता है परिवार में ख़ुशी का माहौल रहेगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप कुछ नया करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं काम करने में आसानी होगी।

तुला राशि: आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आज किसी बात को सोचकर आपका मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखन बौद्धिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यस्थल पर अफसरों के साथ सद्भाव बनाकर रखेंगे। आपको तरक्की के मौके मिलेंगे ।

वृश्चिक राशि: आपके लिए अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। आज आप किसी खेलकूद में हिस्सा ले सकते हैं। बिजनेस करने वालों को किसी अच्छी कंपनी से जुड़कर बिजनेस को बढ़ाने का सुनहरा मौका मिलेगा। बिजनेस से रिलेटेड यात्रा करनी पड़ेगी। आप कुछ अनुभवी लोगों से मिलेंगे।

धनु राशि: आज आपके लिए दिन पाज़िटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी। सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे। आपके लिए पदोन्नति के आसार हैं । आपका वेतन भी बढ़ सकता है।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे। किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन अच्छे पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक शाम का प्रोग्राम बन सकता है। इस राशि के कंप्यूटर स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

मीन राशि: आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही खास होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा। जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढेगा। किसी योजना को शुरू करने के लिए आज का दिन आपके लिए अच्छा है भविष्य में आपको काफी लाभ मिलेगा।

भारत की जैव-विविधता: प्रतिबद्धताएँ और उपलब्धियाँ

कानूनी ढांचे से लेकर स्थानीय कार्रवाई तक

भारत की जैव विविधता का संचालन त्रि स्तरीय संरचना पर आधारित है। इसके तहत यह संरचना जैव विविधता की राष्ट्रीय नीति को राज्य स्तरीय कार्रवाई और स्थानीय स्तर के क्रियान्वयन से जोड़ती है। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है जबकि राज्य जैव विविधता बोर्ड और केंद्र शासित प्रदेशों में गठित जैव विविधता परिषद प्रादेशिक और स्थानीय स्तर पर इन्हें निर्देशित करते है। स्थानीय स्तर पर ग्रामीण और शहरी निकायों में गठित जैव विविधता प्रबंधन कमेटियां लोगों की जैव विविधता रजिस्टर तैयार करती है और सामुदायिक स्तर पर संरक्षण को बढ़ावा देती है। भारत में अभी तक करीब 276653 जैव विविधता कमेटियों का गठन हुआ है.और करीब 272648 जैव विविधता रजिस्टर निर्मित किये गए है जिनमें समूचे देश की अनेक स्थानीय प्रजातियों, पारिस्थितिकी और परंपरागत ज्ञान का दत्तावेजीकरण किया गया है। कुल मिलाकर ये संस्थाएं और इनकी कार्य प्रक्रियाएं हमें वैश्विक स्तर की जैव विविधता के पारिस्थितिकी संतुलन से तालमेल बिठाने में मदद करती है।

एक लचीले भविष्य के लिए प्राकृतिक पूंजी का संरक्षण

जैव-विविधता भारत की पर्यावरणीय और विकास प्राथमिकताओं का केंद्र है। यह खाद्य सुरक्षा, आजीविका, जलवायु लचीलापन और पारिस्थितिक संतुलन का समर्थन करती है। भारत के वन, आर्द्रभूमि, पर्वत, समुद्री तट, मरुस्थल, घास के मैदान और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र विविध प्रजातियों और समुदायों को बनाए रखते हैं। लाखों स्थानीय समुदाय दैनिक जीवन के लिए इन प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं। भारत नीतियों, संस्थाओं और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से वैश्विक ढांचों के अनुरूप अपनी प्राकृतिक पूंजी और जैव-विविधता प्रतिबद्धताओं को बनाए रखता रहता है। इन प्रयासों के माध्यम से भारत वैश्विक जैव-विविधता लक्ष्यों में योगदान देता है और राष्ट्रीय व स्थानीय स्तरों पर संरक्षण को मजबूत करता है। भारत का दृष्टिकोण स्थानीय प्रबंधन पर जोर देता है, क्योंकि यह माना जाता है कि समुदाय-नीत कार्रवाई व्यापक जैव-विविधता परिणामों को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है।

पिछले दशक में, भारत ने वैज्ञानिक प्रबंधन, आवास पुनर्स्थापना, प्रजाति पुनर्वास कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी को मिलाकर जैव-विविधता संरक्षण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया है। संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार, वन्यजीव मॉनिटरिंग को मजबूत करना, अवक्षरित पारिस्थितिकी तंत्रों का पुनर्स्थापन और जैविक संसाधनों के स्थायी उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। इन प्रयासों ने पारिस्थितिक लचीलापन बढ़ाया है, स्थानीय आजीविका का समर्थन किया है और जैव-विविधता संरक्षण में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। संरक्षण लक्ष्यों को स्थायी विकास उद्देश्यों के साथ संरेखित करके, भारत भविष्य की पीढ़ियों के लिए अपने प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित करने और समावेशी व पर्यावरण-जिम्मेदार विकास को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है।

जैव-विविधता को समझना और उसका महत्व

जैव-विविधता पृथ्वी पर जीवन की विविधता को संदर्भित करती है, जिसमें पौधे, जानवर, सूक्ष्मजीव और वे पारिस्थितिकी तंत्र शामिल हैं जो इसे बनाते हैं। यह पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखती है और परागण, मृदा निर्माण, पोषक चक्र, जल शुद्धिकरण और जलवायु नियमन जैसे प्रमुख पारिस्थितिकी सेवाओं का समर्थन करती है। जैव-विविधता प्राकृतिक तंत्रों को बनाए रखती है जो जीवन को संभव और उत्पादक बनाते हैं।

जैव-विविधता पर्यावरण और मानव समाजों दोनों के स्वास्थ्य के लिए केंद्रित है। व्यावहारिक रूप से, जैव-विविधता वही है जो पारिस्थितिकी तंत्रों को कार्यशील, लचीला और लोगों का समर्थन करने योग्य बनाती है। जैव-विविधता की रक्षा केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि भारत जैसा पारिस्थितिक रूप से विविध देश के लिए एक विकास प्राथमिकता भी है।

क्या आप जानते हैं ?

जीन को वंशागति की मूल इकाई माना जाता है। जीन माता-पिता से संतान को संप्रेषित होते हैं और भौतिक व जैविक लक्षणों को निर्दिष्ट करने के लिए आवश्यक जानकारी रखते हैं। उदाहरण के लिए, रेड एप्पल, ग्रैनी स्मिथ एप्पल और गोल्डन एप्पल सेब के विभिन्न सांख्यिकीय भिन्न हैं।

वहीं, प्रजाति एक जीवों का समूह है जो सफलतापूर्वक प्रजनन करके प्रजनन क्षमता वाली संतति उत्पन्न कर सकते हैं। यह प्रजाति परिभाषा प्रजनन के आधार पर जानवरों, पौधों और जीवन के अन्य रूपों को समूहों में विभाजित करती है। उदाहरण के लिए, बाघ, शेर और गैंडा अलग-अलग जानवर प्रजातियाँ हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र एक भौगोलिक क्षेत्र है जहाँ पौधे, जानवर और अन्य जीव, तथा मौसम और परिदृश्य मिलकर जीवन बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में जीवित कारक और अजीव कारक दोनों होते हैं। जीवित कारकों में पौधे, जानवर और अन्य जीव शामिल हैं। अजीव कारकों में चट्टानें, तापमान और आर्द्रता शामिल हैं।

पंजाब में भाजपा की सरकार बनने पर मोगा रैली में किया वादा निभाएंगे ग्रह मंत्री अमित शाह : खन्ना

होशियारपुर,(आरएनएस)। पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना ने कहा कि जो कहना वो करके दिखाना भाजपा का काम करने का अंदाज़ है। उन्हने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जो मोगा रैली में पंजाब में नशों को समाप्त करने का जो वादा पंजाब की जनता से किया था वह वादा पंजाब में भाजपा की सरकार बनने के बाद पहले चरण में ही निभाना शुरू कर दिया जायेगा।

खन्ना ने कहा कि खन्ना ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राज में पंजाब के हालात बढ़ से बदतर होते जा रहे हैं । उन्होंने बताया की पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पंजाबवासियों की सुरक्षा के मुद्दे पर पूरी तरह से फेल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहाँ जनता ही भविष्य निर्माता है। खन्ना ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सत्ता पर काबिज होने के लिए पंजाब की जनता के साथ झूठे वादे किये और जनता की वोट की ताकत से मिले सत्ता के 5 वर्ष अपने निजी स्वार्थों की पूर्ती के लिए बर्बाद कर दिए।

खन्ना ने कहा कि पंजाब का भविष्य अब जनता जनार्दन के हाथों में है। उन्होंने पंजाब की जनता से अपील की कि पंजाब में मजबूत कानून व्यवस्था, अमन शांति स्थापित करने और विकास की लहर चलाने के लिए पंजाब में भाजपा को लाएं ताकि पंजाब में भी डबल इंजन सरकार प्रदेश का चहुमुखी विकास करवा सके और पंजाब में कानून व्यवस्था और अमन शान्ति की बहाली हो सके।

मेरे भाई प्रिंस को इन लोगों ने मार डाला, फैजल खान पुलिस को कर रहे गुमराह

-रौशन आनंद ने खान सर और पुलिस पर लगाए आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

पटना,(ए.)। बिहार में कोचिंग विवाद अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां राजनीति, पुलिस जांच और रहस्यमयी मौत एक-दूसरे से उलझती नजर आ रही हैं। ज्ञान बिंदु जीएस अकादमी के संचालक रौशन आनंद के छोटे भाई प्रिंस यादव की नेपाल में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। सोमवार को बेउर जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद रौशन आनंद ने अपने भाई के अंतिम संस्कार से पहले मीडिया के सामने खान सर पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने मिलकर मेरे भाई को मार दिया।

मीडिया से बातचीत में रौशन ने कहा कि फैजल खान सुबह से शाम तक सिर्फ षड्यंत्र रचते हैं और उन्होंने पटना पुलिस को भी गुमराह कर रखा है। उन्होंने कहा कि पटना पुलिस उनका सहयोग कर रही है, मेरा नहीं। मेरे भाई की मौत को सामान्य घटना बताने की कोशिश की जा रही है, लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। उन्होंने कहा कि वह कानून और न्याय व्यवस्था पर भरोसा रखते हैं और जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग देंगे। मैं चाहता हूं कि मेरे भाई की मौत की निष्पक्ष जांच हो और सच्चाई सामने आए। बता दें पूरे विवाद की जड़ में प्रिंस यादव की मौत है। प्रिंस यादव नेपाल के एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए थे। मौत कैसे हुई, इसके बारे में अभी तक कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। नेपाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। होटल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डाटा और अन्य साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। हालांकि अभी तक जांच एजेंसियों ने किसी भी व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया है, लेकिन जिस तरह प्रिंस यादव का नाम कुछ दिन पहले पटना में हुए कोचिंग विवाद में सामने आया था, उसके बाद उनकी अचानक हुई मौत ने पूरे मामले को शक से भर दिया है।

बच्चा मेरी गोद में आते ही रोना बंद कर मुस्कुराने लगता है...

सीएम योगी ने बच्चों के प्रति लगाव का जिक्र किया तो कार्यक्रम में मौजूद लोग हंसने लगे

लखनऊ,(ए.)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित डी-3 त्रिवेणी कार्यक्रम में बच्चों के प्रति अपने लगाव का जिक्र किया तो सभागार में मौजूद लोग मुस्कुराने लगे। योगी ने कहा कि जब भी वह किसी गांव, कस्बे या सार्वजनिक कार्यक्रम में जाते हैं तो वहां कई माताएं अपने छोटे बच्चों को लेकर आती हैं। उनका उद्देश्य बच्चों का अन्नप्राशन कराना होता है। योगी ने कहा कि उन्हें बच्चों का अन्नप्राशन कराना अच्छा लगता है. उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि बच्चा अपने माता-पिता, दादा या दादी की गोद में होता है, लेकिन जैसे ही वह मेरी गोद में आता है, उसका रोना बंद हो जाता है और वह मुस्कुराने लगता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी ने कहा कि बच्चे बेहद निष्कपट होते हैं और उनकी भावनाएं भी पूरी तरह स्वाभाविक होती हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई बच्चा उनकी गोद में आता है तो उसे सुरक्षा का एहसास होता है। योगी ने कहा कि बच्चे के मन में यह भाव आता है कि वह पूरी तरह सुरक्षित है। शायद यही कारण है कि वह रोना छोड़ देता है और सहज हो जाता है। बच्चों की बात करते-करते सीएम योगी अचानक प्रशासनिक व्यवस्था और अपराध के मुद्दे पर आ गए। उन्होंने कहा कि यदि उनसे पूछा जाए कि उनका सबसे प्रिय विषय क्या है तो उनका जवाब होगा माफिया का सफाया करना। मुख्यमंत्री के इस बयान पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं।

सीएम योगी ने अपने कार्यकाल की एक घटना सुनाते हुए बताया कि एक बार उत्तर प्रदेश पुलिस के तत्कालीन डीजीपी उनसे मिलने पहुंचे। डीजीपी ने उन्हें जानकारी दी कि लखनऊ में पुलिस विभाग की एक अहम जमीन पर माफिया का कब्जा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जैसे ही उन्होंने यह बात सुनी, उन्होंने तुरंत कहा कि यह तो मेरा सबसे प्रिय विषय है। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। योगी ने बताया कि जमीन खाली कराने के बाद सरकार ने उसे यूं ही नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि उसी जमीन पर बाद में फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट का निर्माण कराया गया। यह सिर्फ अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि एक सकारात्मक बदलाव का उदाहरण भी था, जिस जमीन पर कभी माफिया का कब्जा था, वहां आज कानून व्यवस्था और वैज्ञानिक जांच से जुड़ा संस्थान खड़ा है। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार अपराध और माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो कानून तोड़ा है तो कार्रवाई तय है।

नीट 2026 से पहले केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन, देश में इस मशहूर मैसेजिंग ऐप पर लगा बैन

नई दिल्ली (आरएनएस)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (G) 2026 को लेकर केंद्र सरकार ने एक बेहद कड़ा और अहम फैसला लिया है। देशभर में 21 जून को आयोजित होने वाली नीट की पुनर्परीक्षा की सुरक्षा और पारदर्शिता को पुख्ता करने के लिए मशहूर मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है। यह कदम परीक्षा में किसी भी तरह की संभावित गड़बड़ी को रोकने और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के मकसद से उठाया गया है।

केंद्र सरकार के इस फैसले के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने सख्त निर्देश जारी कर दिए हैं। इन आधिकारिक निर्देशों के मुताबिक, भारत में टेलीग्राम की सभी सेवाओं पर 22 जून 2026 तक पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। यह पाबंदी परीक्षा खत्म होने के अगले दिन तक लागू रहेगी ताकि किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि या पेपर लीक जैसी अफवाहों पर पूरी तरह से लगाम लगाई जा सके। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) ने सरकार के इस बड़े फैसले का खुलकर स्वागत किया है। एनटीए का स्पष्ट मानना है कि परीक्षा से ठीक पहले ऐसे प्लेटफॉर्म पर अस्थायी पाबंदी लगने से सोशल मीडिया के जरिए होने वाली किसी भी तरह की धांधली या भ्रामक जानकारी फैलने जैसी घटनाओं को रोका जा सकेगा। इस कदम से न केवल परीक्षा की शुचिता बरकरार रहेगी, बल्कि उन लाखों छात्रों का भविष्य भी सुरक्षित होगा जो पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ इस परीक्षा में शामिल होने

अब बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं ले सकेंगे खांसी की दवाई, 'सिरप' पर मचे बवाल के बाद सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने सिरप आधारित दवाओं की बिक्री को लेकर बड़ा फैसला लिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी नए नियमों के तहत अब कफ सिरप सहित सभी सिरप आधारित दवाएं मेडिकल स्टोर से बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के नहीं खरीदी जा सकेंगी। सरकार का उद्देश्य दवाओं के अनियंत्रित उपयोग पर रोक लगाना और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

मंत्रालय ने 9 जून को जारी अधिसूचना में ड्रग्स (पांचवां संशोधन) नियम, 2026 लागू करने की घोषणा की है। आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन के साथ ही ये नियम प्रभावी हो गए हैं। संशोधन के तहत ड्रग्स रूल्स, 1945 के शेड्यूल-के से 'सिरप' शब्द को हटा दिया गया है, जिससे सिरप आधारित दवाओं को पहले प्राप्त कुछ विशेष छूट अब नहीं मिलेंगी।अब तक एंटीसेप्टिक, एंटासिड, गर्भनिरोधक उत्पादों सहित कुछ दवाओं को ओवर-द-काउंटर (OTC) बिक्री की अनुमति थी। हालांकि नए नियम लागू होने के बाद सिरप आधारित दवाओं को इस श्रेणी से बाहर कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप कफ सिरप और अन्य सिरप फॉर्मूलेशन वाली दवाओं की बिक्री अधिक कड़े नियामकीय नियंत्रण के तहत होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव के बाद मरीजों को ऐसी दवाएं खरीदने के लिए डॉक्टर का वैध पर्चा प्रस्तुत करना होगा। सरकार का मानना है कि इससे दवाओं के गलत इस्तेमाल और संभावित दुष्प्रभावों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

अमृतसर रेलवे स्टेशन पर अमृतसर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाए जाने से पहले, ट्रेन के पायलट और को-पायलट सजाई गई ट्रेन के पास खड़े हैं।

छोड़ दो मुझे', वायुसेना अधिकारी की पत्नी से रेप और धर्मांतरण, वीडियो आई सामने

नागपुर,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के नागपुर में भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी की पत्नी के साथ कथित दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग, जबरन वसूली और धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शिकायत के आधार पर अय्याज ताज मादरे और आमीन शेख को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, मामले में नामजद एक मौलाना की तलाश के लिए पुलिस की विशेष टीम छापेमारी कर रही है। पीड़िता के पति भारतीय वायुसेना में अधिकारी हैं और घटना के समय दूसरे शहर में तैनात थे।

शिकायत के मुताबिक, मुख्य आरोपी महिला को वर्धा रोड स्थित एक होटल में ले गया, जहां कथित तौर पर उसे पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया गया। आरोप है कि महिला के अचेत होने पर उसके साथ दुष्कर्म किया गया और आपत्तिजनक वीडियो एवं तस्वीरें भी बनाई गईं।

पीड़िता का आरोप है कि बाद में इन्हीं वीडियो और तस्वीरों को सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसका लगातार शोषण किया गया। साथ ही उससे लाखों रुपये की उगाही भी की गई। महिला ने आरोप लगाया कि ब्लैकमेलिंग के जरिए उस पर बार-बार दबाव बनाया जाता रहा।

शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि आरोपियों ने महिला पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव डाला। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने अपने बयान में कहा है कि उससे कुछ धार्मिक प्रक्रियाएं करवाई गईं और उसे धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने का प्रयास किया गया। मामले से जुड़े कुछ वीडियो भी जांच एजेंसियों के पास पहुंचे हैं, जिनकी सत्यता की जांच की जा रही है।

1.85 लाख के बिजली बिल और अधिकारियों की प्रताड़ना से हार गया पान विक्रेता, सुसाइड नोट लिखकर दी जान

गाजीपुर ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से एक ऐसा सिस्टम को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जो किसी की भी रूह कंपा देगा। जिले के सैदपुर थाना क्षेत्र स्थित मुरादचक गांव में एक छोटी सी गुमटी में पान बेचकर अपने परिवार का पेट पालने वाले सुरेंद्र कश्यप ने जहर (सल्फास) खाकर अपनी जान दे दी। कथित तौर पर सुरेंद्र बिजली विभाग के भारी-भरकम बिल और वसूली के लिए अधिकारियों द्वारा बनाए जा रहे लगातार दबाव से गहरे तनाव में थे। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसने सरकारी महकमे की संवेदनहीन कार्यप्रणाली की पोल खोल कर रख दी है।

एक लाख का जुर्माना बढ़कर हुआ 1.85 लाख

मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक साल पहले बिजली विभाग की विजिलेंस टीम ने सुरेंद्र की छोटी सी पान की दुकान पर छापेमारी की थी। इस सख्त कार्रवाई के बाद उन पर लगभग 1 लाख 12 हजार रुपये का भारी-भरकम जुर्माना और बकाया बिल थोप दिया गया। रोज कुआं खोदकर पानी पीने वाले एक गरीब पान विक्रेता के लिए यह रकम चुकाना नामुमकिन था। बाद में जब यह मामला तहसील पहुंचा और वसूली के लिए आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) जारी हुई, तो यह बकाया राशि बढ़कर लगभग 1 लाख 85 हजार रुपये हो गई।

दफ्तरों के काटे चक्कर, मिली सिर्फ मानसिक प्रताड़ना

परिजनों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि सुरेंद्र इस बिल को कम कराने और थोड़ी सी मोहलत पाने के लिए लगातार बिजली विभाग और तहसील के अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे। लेकिन मदद की गुहार लगा रहे इस गरीब को राहत मिलने के बजाय सिर्फ मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। राजस्व कर्मी और बिजली विभाग के लोग अक्सर उनकी दुकान पर आ धमकते थे और वसूली के लिए धमकाते हुए उनकी रोजी-रोटी का इकलौता साधन (दुकान) बंद कराने की चेतावनी देते थे।

'मैं मर जाऊं, तो शायद बिल खत्म हो जाएगा'

इस दर्दनाक घटना के बाद मृतक की पत्नी ज्ञानती ने रोते हुए जो बताया, वह हर किसी की आंखें नम कर देगा। उन्होंने बताया कि सुरेंद्र हमेशा भारी तनाव में रहते थे और अक्सर कहते थे कि अगर मैं मर जाऊं, तो शायद यह बिल और जुर्माना खत्म हो जाएगा। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले ही बदहाल थी, ऊपर से दो जवान बेटियों की शादी की चिंता और हर दिन बढ़ते कर्ज के इस बोझ ने सुरेंद्र की सारी उम्मीदें तोड़ दीं। इस खौफनाक कदम के बाद पूरे गांव में बिजली विभाग और प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश भड़का हुआ है। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

डिवाइडर फांदकर आपस में भिड़े दो ट्रक, आग का गोला बनी गाड़ियों में जिंदा जल गए दोनों ड्राइवर

सुंदरगढ़,(आरएनएस)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में मंगलवार को एक ऐसा खौफनाक सड़क हादसा हुआ है, जिसे सुनकर किसी की भी रूह कांप उठेगी। यहां राष्ट्रीय राजमार्ग 10 पर दो ट्रकों के बीच इतनी जोरदार टक्कर हुई कि पल भर में दोनों गाड़ियां आग का गोला बन गईं। इस दर्दनाक हादसे में दोनों ट्रकों के ड्राइवरों को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला और उनकी केबिन के अंदर ही जिंदा जलकर बेहद खौफनाक मौत हो गई।

डिवाइडर कूदकर दूसरी लेन में घुसा मौत बनकर आया ट्रक

पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह भयानक दुर्घटना भस्मा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कैंतरा के पास उस वक्त हुई, जब एक भारी-भरकम ट्रक झारसुगुड़ा से सुंदरगढ़ की तरफ जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक पर से ड्राइवर का नियंत्रण पूरी तरह से खो गया। बेकाबू होने के बाद यह ट्रक सड़क के बीच बने डिवाइडर को फांदता हुआ सीधे दूसरी लेन में जा घुसा। उसी समय सामने से (सुंदरगढ़ से झारसुगुड़ा की ओर) आ रहे एक अन्य ट्रक से उसकी सीधी और जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर

इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों के अगले हिस्से के पूरी तरह से परखच्चे उड़ गए।हादसा होते ही दोनों ट्रकों में से एक का डीजल टैंक तेज धमाके के साथ फट गया। इसके बाद देखते ही देखते वहां आग की भयावह लपटें उठने लगीं और महज कुछ ही मिनटों में आग ने दोनों ट्रकों को अपनी खौफनाक चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास मौजूद लोग चाहकर भी ड्राइवरों को बचाने के लिए आगे नहीं जा सके और दोनों गाड़ियां उनके देखते-देखते जलकर खाक हो गईं।इस दिल दहला देने वाले हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ट्रकों के अंदर फंसे दोनों ड्राइवर पूरी तरह से झुलस चुके थे। आग का कहर ऐसा था कि शवों की हालत इतनी ज्यादा खराब हो गई कि पुलिस के लिए उनकी शिनाख्त कर पाना भी नामुमकिन हो रहा है। फिलहाल, पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है और यह जांच करने में जुट गई है कि आखिर ट्रक के अनियंत्रित होने के पीछे की असली वजह क्या थी।

हम साथ जिएंगे या साथ मरेंगे कहकर पीया जहर, पत्नी नहीं मरी तो पति ने गला दबाकर कर दी हत्या

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक 22 वर्षीय युवती की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने जांच के बाद युवती के प्रेमी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों ने एक वर्ष पहले परिवार से छिपाकर शादी कर ली थी, जिसका खुलासा हाल ही में एक इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए हुआ।मृतका भवानी बेंगलुरु के तुलसी नगर क्षेत्र में रहती थी और एक मोबाइल फोन शोरूम में बिलिंग एग्जीक्यूटिव के रूप में कार्यरत थी। वहीं आरोपी चंद्रशेखर ऑटो-रिक्शा चालक है। दोनों पिछले कुछ समय से गुप्त रूप से साथ रह रहे थे।पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह भवानी के परिजनों को उसकी सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से एक युवक के साथ उसके संबंधों की जानकारी मिली। इसके बाद परिवार ने उससे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन बार-बार फोन करने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। चिंतित परिजनों ने मकान मालिक को सूचना दी। जब घर का दरवाजा नहीं खुला तो पुलिस को बुलाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घर के अंदर भवानी को मृत अवस्था में पाया, जबकि चंद्रशेखर अचेत मिला। दोनों के शरीर और कमरे से किसी जहरीले पदार्थ जैसी तेज गंध आने की बात भी सामने आई।

अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर फिर फंसा पेंच, ट्रंप बोले- 300 अरब डॉलर देने का दावा झूठा

वॉशिंगटन(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में घोषित अंतरिम शांति समझौते पर हस्ताक्षर से पहले ही नया विवाद खड़ा हो गया है। संघर्ष विराम और संबंधों में सुधार की दिशा में बढ़े कदमों के बीच ईरान द्वारा कथित तौर पर 300 अरब डॉलर के पुनर्निर्माण फंड की मांग किए जाने की खबरों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सिरे से खारिज कर दिया है।ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत में किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता या पुनर्निर्माण पैकेज पर सहमति नहीं बनी है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने परमाणु हथियार विकसित न करने का आश्वासन दिया है, जबकि समझौते का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय तनाव कम करना और परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताओं का समाधान करना है।अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर ट्रंप ने लिखा, "ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। यह खबर पूरी तरह झूठी है कि अमेरिका ईरान को सैकड़ों अरब डॉलर देने जा रहा है। ऐसी अफवाहें राजनीतिक कारणों से फैलाई जा रही हैं।"

हालांकि, ईरानी मीडिया में ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं जिनमें दावा किया गया है कि समझौते के तहत ईरान की जमी हुई संपत्तियों को जारी करने, आर्थिक प्रतिबंधों में राहत देने और देश के पुनर्निर्माण के लिए बड़े आर्थिक पैकेज पर विचार किया जा रहा है। इस संबंध में अब तक किसी भी पक्ष ने आधिकारिक दस्तावेज सार्वजनिक नहीं किया है।सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधियों के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में औपचारिक हस्ताक्षर प्रस्तावित हैं। इससे पहले दोनों देशों के बीच समझौते की शर्तों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आने से अटकलों का दौर तेज हो गया है।अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी संकेत दिया है कि समझौते का पूरा मसौदा जल्द सार्वजनिक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान को किसी भी प्रकार की आर्थिक राहत तभी मिलेगी जब वह समझौते की सभी शर्तों का पूरी तरह पालन करेगा।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आर्थिक सहायता और प्रतिबंधों में राहत को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद बने रहे तो प्रस्तावित शांति समझौते की राह मुश्किल हो सकती है।

जब तक मैं पीएम हूं तब तक ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा : नेतन्याहू

तेल अवीव,(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के कुछ घंटे बाद इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने डील पर अपनी असहमति जाहिर करते हुए कहा कि उनकी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राय हमेशा एक जैसी नहीं होती है। नेतन्याहू ने कहा कि डील हो या न हो, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इजराइली सेना गाजा, लेबनान और सीरिया में जब तक जरूरी होगा तब तक बनी रहेगी। लेबनान में इजरायली सेना की मौजूदगी से ईरान भड़क सकता है। हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध रोकना ईरान की प्रमुख शर्तों में शामिल है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका और ईरान के बीच समझौते पर सीधे बात करने से परहेज किया और ईरान व मध्य पूर्व में इजराइल की कामयाबियों पर ध्यान केंद्रित किया।

अमेरिका-ईरान समझौते पर ट्रंप-वेंस और गलिबाफ ने किए डिजिटल हस्ताक्षर, अब स्विट्जरलैंड में औपचारिकता

वाशिंगटन/तेहरान,(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की जिन शर्तों पर सहमति बनी है, उस पर दोनों पक्षों के डिजिटल हस्ताक्षर हो गए हैं। यह खुलासा अमेरिकी उपराष्टपति जेडी वेंस ने किया। उन्होंने कहा कि समझौता ज्ञापन पर राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप, उन्होंने और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गलिबाफ ने डिजिटल हस्ताक्षर किए हैं। अब 19 जून शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के जिनेवा में एक आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह होगा, जिसमें उच्च पदस्थ अमेरिकी और ईरानी अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

जिनेवा में होने वाले कार्यक्रम में अमेरिका की ओर से वेंस शामिल होंगे। अभी तक ट्रंप के कार्यक्रम में उपस्थित होने की जानकारी सामने नहीं आई है। ट्रंप ने पहले कहा था कि समझौते का पाठ जल्द ही सामने आ जाएगा, लेकिन अब कहा जा रहा है कि इसे जिनेवा में हस्ताक्षर होने के बाद जारी किया जाएगा। ईरान की ओर से एमबी गलिबाफ अमेरिका के साथ शांति समझौते के प्रमुख वार्ताकार बनाए गए हैं।

वेंस ने प्रारंभिक समझौते पर कहा, ईरानियों को तब तक एक पैसा भी नहीं मिलेगा जब तक वे सुधर नहीं जाते और अपना व्यवहार नहीं बदलते। ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होंगे। उन्हें अमेरिकी करदाताओं का एक पैसा भी नहीं मिलेगा। कभी नहीं। बिल्कुल नहीं। वेंस ने कहा कि प्रतिबंधों में ढील देने और उन्हें विश्व अर्थव्यवस्था में वापस लाने से अमेरिका को बहुत आर्थिक लाभ होगा, यह अमेरिकी पैसा नहीं है।

नेतन्याहू ने अमेरिका-ईरान समझौते की नहीं की आलोचना, कहा- मुझे विवरण की जानकारी नहीं

यरूशलम (ए.)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईरान के खिलाफ युद्ध को सफल बताया। उन्होंने लेबनान मुद्दे पर इजरायल की बात को अनसुना किए जाने पर भी समझौते की आलोचना नहीं की और बताया कि उन्हें अब तक समझौते में क्या है, इसका विवरण नहीं मिला है। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि उन्होंने इजरायल को परमाणु विनाश से बचाया है।

नेतन्याहू ने समझौते को लेकर सवाल पर कहा, समझौते के साथ हो या न हो, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होंगे- न आज, न कल। जब तक मैं इजरायल का प्रधानमंत्री हूं, ऐसा नहीं होने दूंगा। यही मेरे जीवन का मिशन है। उन्होंने दोहराया कि ईरान से परमाणु खतरा एक तत्काल खतरा था, जिसे अमेरिकी मित्रों के साथ मिलकर सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया है। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने भविष्य में विनाश के खतरे को टाल दिया है।नेतन्याहू ने समझौते में लेबनान में हिज्बुल्लाह के अंत पर कोई फैसला न लिए जाने पर कहा, कुछ भी गलत नहीं हुआ। मैंने लक्ष्य निर्धारित किए थे और मंत्रिमंडल ने भी लक्ष्य निर्धारित किए थे, जो आपने बताया उससे अलग थे। नेतन्याहू ने कहा, हमने कहा था कि हम अपने ऊपर मंडरा रहे अस्तित्वगत खतरे को दूर करना चाहते हैं, सबसे पहले, परमाणु खतरा, और हमने ऐसा कर लिया। बैलिस्टिक मिसाइल का खतरा, और हमने ऐसा कर लिया। नेतन्याहू ने इस धारणा का खंडन किया कि इजरायल ने रणनीतिक निर्णय लेने में अपनी स्वायत्तता खो दी है, क्योंकि उसे लड़ाई रोकने को मजबूर किया गया और शांति वार्ता से बाहर रखा गया। उन्होंने कहा, अमेरिका में लोग कहते हैं कि ट्रंप मेरी हर बात मानते हैं, और इजरायल में लोग कहते हैं कि मैं उनकी हर बात मानता हूं।

यह अमेरिका-ईरान के बीच समझौता नहीं यह एक डिप्लोमैटिक सक्सेस है

-पीएम शहबाज का ऐलान- साइनिंग सेरेमनी की मेजबानी करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद,(ए.)। पीएम शहबाज शरीफ ने संसद में ऐलान किया है कि पाकिस्तान स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर साइनिंग सेरेमनी की मेजबानी करेगा।

शरीफ ने कहा कि यह सिर्फ दो देशों के बीच का समझौता नहीं है, बल्कि यह शांति और बातचीत की सफलता है। एक डिप्लोमैटिक सक्सेस है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा ढांचे के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया था। इसके साथ ही शहबाज शरीफ ने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का गुणगान करते हुए कहा कि उन्होंने इस युद्ध की आग को बुझाने और शांति स्थापित करने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शहबाज ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते को शांति की दिशा में एक हिस्टोरिक माइलस्टोन बताया। उन्होंने उस नई शुरुआत की सराहना की जो तीन महीने और 16 दिनों की कई कोशिशों के बाद हुई, जब अमेरिका और ईरान ने लेबनान समेत सैन्य कार्रवाई को तुरंत और स्थायी रूप से रोकने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बातचीत की पूरी प्रक्रिया में अमेरिका और ईरान दोनों के नेतृत्व ने मुश्किल हालात में धैर्य और समझदारी दिखाई। नतीजा यह हुआ कि पूरी दुनिया इस महान दिन की गवाह बनी।

अमेरिकी वायुसेना का बी-52 बमवर्षक विमान कैलिफोर्निया में दुर्घटनाग्रस्त, विमान सवार सभी 8 लोगों की मौत

कैलिफोर्निया(ए.)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में उड़ान भरते समय वायुसेना का बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस बमवर्षक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें विमान सवार सभी 8 चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। हादसा मोजावे रेगिस्तान में स्थित एडवर्ड्स वायु सेना अड्डे पर उस समय हुआ, जब विमान ने उड़ान ही भरी थी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद वह आग की लपटों से घिर गया। हवाई अड्डे को फिलहाल बंद कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान एक नियमित परीक्षण मिशन पर था। दुर्घटना के बाद काले धुएं का एक विशाल गुबार उठा, जिसे कई मील दूर तक देखा जा सकता था। सामने आई फुटेज में भी विमान का लगभग कोई अवशेष नहीं दिख रहा था, जिससे हादसे की भयावहता का पता लगाया जा सकता है। रेगिस्तान पर सिर्फ काली राख दिख रही है। विमान में 6 वर्दीधारी सैन्यकर्मियों के अलावा विमान कंपनी बोइंग के 2 कर्मचारी भी सवार थे।वायुसेना के कर्नल जेम्स हेज ने बताया कि अभी तक हादसे का कारण पता नहीं चला है, जांच की एक पूरी श्रृंखला है, जिसे पूरा होने में 30 दिन लग सकते हैं। हेज ने कहा कि आगे के कारणों का विश्लेषण करने वाली जांच में 6 महीने से अधिक समय लगेगा।

बता दें कि बी-52 विमानों में आमतौर पर 5 लोगों का दल होता है, जिसमें एक विमान कमांडर, पायलट, रडार नेविगेटर, नेविगेटर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अधिकारी शामिल हैं।बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस, एक लंबी दूरी का, बमवर्षक विमान है जिसे 31,750 किलोग्राम तक हथियार और आपूर्ति ले जाने के लिए बनाया गया है। यह लंबे समय से अमेरिकी मानवयुक्त रणनीतिक बमवर्षक बल की रीढ़ रहा है। इसमें 1955 में सेवा में प्रवेश किया था। यह स्वेप्ट-विंग विमान 50,000 फीट तक की ऊंचाई पर क्लस्टर बम, ग्रेविटी बम, सटीक निर्देशित मिसाइल और परमाणु हथियारों सहित अमेरिकी शस्त्रागार में मौजूद हथियारों की सबसे व्यापक श्रेणी को दागने में सक्षम है।

फीचर

लीव-इन कंडीशनर का इस्तेमाल करते समय न करें ये 5 गलतियां

लीव-इन कंडीशनर बालों की देखभाल के लिए एक जरूरी उत्पाद है। यह बालों को नमी प्रदान करता है और उन्हें स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है ताकि आप इसके पूरे फायदे उठा सकें। कई लोग बिना सही जानकारी के लीव-इन कंडीशनर का उपयोग करते हैं और कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उन्हें अच्छे परिणाम नहीं मिल पाते। आइए जानें कि लीव-इन कंडीशनर से जुड़ी किन-किन गलतियों से बचना चाहिए।

ज्यादा कंडीशनर लगाना

लीव-इन कंडीशनर का उपयोग करते समय सबसे बड़ी गलती है ज्यादा कंडीशनर लगाना। कई लोग सोचते हैं कि जितना ज्यादा कंडीशनर लगाएंगे, उतना बेहतर परिणाम मिलेगा। लेकिन ऐसा करना गलत है। ज्यादा कंडीशनर लगाने से बाल चिपचिपे हो सकते हैं और उनका प्राकृतिक रूप बिगड़ सकता है। इसलिए हमेशा मात्रा का ध्यान रखें और जरूरत के अनुसार ही कंडीशनर लगाएं ताकि बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहें।

गीले बालों पर लगाना

गीले बालों पर लीव-इन कंडीशनर लगाने से पहले उन्हें हल्का सूखा लें। गीले बालों पर सीधा कंडीशनर लगाने से वह सही तरीके से अवशोषित नहीं होता और बालों की जड़ों तक नहीं पहुंच पाता। इससे बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं और उनमें रूखापन आ सकता है। इसलिए हमेशा तौलिये से हल्का सूखा लेने के बाद ही बालों पर कंडीशनर लगाएं ताकि वह सही तरीके से अवशोषित हो सके और बाल स्वस्थ रहें।

सिर की त्वचा पर कंडीशनर लगाना

सिर की त्वचा पर लीव-इन कंडीशनर लगाना भी एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में कर बैठते हैं। कंडीशनर सिर्फ बालों की लंबाई पर लगाना चाहिए, न कि सिर की त्वचा पर क्योंकि इससे त्वचा चिपचिपी हो सकती है और जमीनी स्तर पर तेल जमा हो सकता है। इससे सिर की ताजगी कम होती है और बालों में रूखापन आ सकता है। इसलिए हमेशा कंडीशनर को बालों की लंबाई पर ही लगाएं ताकि सिर की ताजगी बनी रहे।

गलत समय पर उपयोग करना

लीव-इन कंडीशनर का सही समय पर उपयोग करना भी जरूरी है। कई लोग धोने के तुरंत बाद या सोने से पहले लीव-इन कंडीशनर का उपयोग करते हैं, जो सही नहीं है। सबसे अच्छा समय है जब आपके बाल थोड़े सूखे हों यानी तौलिये से हल्का सूखा लिया हो। इससे कंडीशनर बेहतर तरीके से काम करेगा और आपके बालों को पूरा पोषण देगा। सही समय पर उपयोग करने से आपके बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहेंगे।

गलत उत्पाद चुनना

लीव-इन कंडीशनर चुनते समय उसकी गुणवत्ता पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। कई बार सस्ते दाम देखकर लोग घटिया गुणवत्ता वाले उत्पाद खरीद लेते हैं, जो बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हमेशा अच्छी ब्रांडेड कंपनियों का ही चयन करें जो प्राकृतिक सामग्रियों से बने हों। इन गलतियों से बचकर आप अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं और लीव-इन कंडीशनर के पूरे फायदों का आनंद ले सकते हैं।

खुद को चुनने में कभी देर नहीं होती, मनीषा कोइराला ने थाईलैंड ट्रिप की तस्वीरों के साथ दी नई शुरुआत की सीख

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई महिलाएं परिवार, बच्चों और जिम्मेदारियों के बीच अपने सपनों को कहीं पीछे छोड़ देती हैं। समय के साथ उन्हें लगने लगता है कि अब उनकी उम्र निकल चुकी है और कुछ नया करने का समय नहीं बचा है। ऐसी सभी महिलाओं को बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खास संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में खुद को चुनने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए कभी भी देर नहीं होती।

मनीषा कोइराला ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर थाईलैंड ट्रिप की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में वह बेहद खुश नजर आ रही हैं। कहीं वह प्राकृतिक सुंदरता के बीच समय बिताती दिख रही हैं, तो कहीं शांत माहौल का आनंद लेती दिखाई दे रही हैं। तस्वीरों में वह जीवन के छोटे-छोटे पलों का आनंद नजर आ रही रही हैं। इन तस्वीरों के साथ मनीषा ने कैप्शन में लिखा, जो महिलाएं यह सोचती हैं कि अब उनके लिए बहुत देर हो चुकी है, उन्हें इस सोच को छोड़ देना चाहिए। ट्रिप करें, नई शुरुआत करें और सबसे जरूरी बात, खुद को चुनें। मैं दुनिया को एक्सप्लोर कर रही हूं और साथ ही अपने स्वास्थ्य और मानसिक शांति का भी ध्यान रख रही हूं। मनीषा कोइराला के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, मनीषा जी, आपकी यह पोस्ट हर महिला के लिए प्रेरणा है। दूसरे यूजर ने लिखा, सच कहा आपने जिंदगी उम्र से नहीं, सोच से चलती है। अन्य यूजर्स ने कमेंट्स में इमोजी शेयर किए।

बता दें कि मनीषा कोइराला हिंदी सिनेमा की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। उन्होंने 1991 में सौदागर से बॉलीवुड में कदम रखा और पहली ही फिल्म से पहचान बना ली। इसके बाद उन्होंने 1942: ए लव स्टोरी, बॉम्बे, खामोशी: द म्यूजिकल, दिल से, मन, लज्जा और कंपनी जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। उनकी फिल्मों के गाने भी बेहद लोकप्रिय रहे, जिनमें एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा, रिम झिम रिम झिम, तू ही रे, जिया जले और नशा यह प्यार का नशा है आज भी लोगों की पसंद बने हुए हैं। अपने शानदार अभिनय के लिए मनीषा को कई बड़े सम्मान भी मिले हैं। उन्हें बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए फिल्मफेयर क्रिटिक्स पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार (क्रिटिक्स कैटेगिरी) सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सराहना मिली।

हाइपरटेंशन की समस्या से राहत दिलाइगा बद्ध कोणासन, रोजाना 15 मिनट के अभ्यास से मिलेंगे कई फायदे

विश्व योग दिवस 2026 अब कुछ ही दिनों में मनाया जाने वाला है। इस खास अवसर से पहले ही भारत सरकार का आयुष मंत्रालय देशवासियों से लगातार अपील कर रहा है कि वे अपनी दिनचर्या में योगासन को शामिल करें। सही आसनों के अभ्यास से न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है बल्कि मन भी प्रसन्न और शांत रहता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का प्राचीन भारतीय विज्ञान है। व्यस्त जीवनशैली, काम का दबाव और तनाव की वजह से आजकल लोग अक्सर हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे में योग विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि नियमित रूप से बद्ध कोणासन का अभ्यास करें, जो बेहद फायदेमंद है। बद्ध कोणासन को 'बाउंड एंगल पोज' भी कहा जाता है। यह आसानी से किए जाने वाला प्रभावी आसन है। इसे करने के लिए जमीन पर सीधे बैठ जाएं, दोनों पैरों की एड़ियों को आपस में मिलाएं और घुटनों को बाहर की तरफ खोल लें। दोनों हाथों से पैरों की उंगलियों को पकड़ें और सीधे बैठकर गहरी सांस लें। इस आसन में कुछ

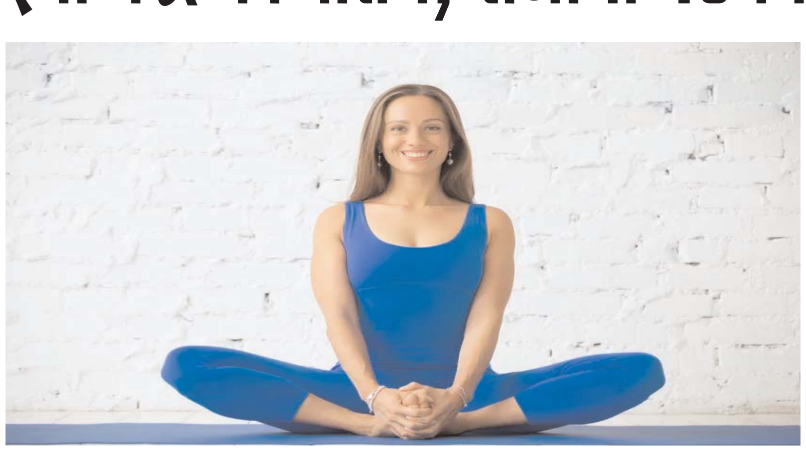

देर रहने से शरीर की निचली हिस्से की मांसपेशियां एक्टिव होती हैं, रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर में जमा तनाव धीरे-धीरे कम होता है।योग विशेषज्ञों का कहना है कि बद्ध कोणासन पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करता है। इससे दिल की धड़कन सामान्य रहती है, ब्लड प्रेशर नियंत्रित होता है और मन को गहरी शांति मिलती है। गहरी सांस लेते हुए इस आसन का अभ्यास करने से पूरे दिन की थकान और नकारात्मक विचार दूर होते हैं। मूड अच्छा रहता है और तनाव का स्तर काफी कम हो जाता है।एक्सपर्ट्स का मानना है कि योग को रोजाना सिर्फ 15 मिनट भी शामिल करने से व्यक्ति ऊर्जावान और सकारात्मक महसूस करता है। यह आसन खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो लंबे समय से हाइपरटेंशन की समस्या से जूझ रहे हैं। हालांकि, किसी भी नए आसन को शुरू करने से पहले योग प्रशिक्षक से सलाह जरूर लें।मंत्रालय ने सभी नागरिकों, खासकर युवाओं, मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्गों से अनुरोध किया है कि वे इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को यादगार बनाएं और योग को जीवन का अंग बना लें।

नए शिक्षा सत्र का उत्साहपूर्ण आगाज,पुष्पमाला, तिलक और गुलाल से हुआ अभिनंदन

रायगढ़,(आरएनएस)। रायगढ़ जिले में आज नए शिक्षा सत्र 2026-27 का शुभारंभ शाला प्रवेश उत्सव के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। अवकाश के बाद जैसे ही विद्यालयों के द्वार खुले, बच्चों की चहल-पहल और किलकारियों से स्कूल परिसर गुलजार हो उठे।जिले के शासकीय विद्यालयों में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का पुष्पमाला पहनाकर, तिलक एवं गुलाल लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। विद्यालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे पहले ही दिन बच्चों में विद्यालय के प्रति अपनत्व और उत्साह का वातावरण दिखाई दिया।शाला प्रवेश उत्सव के अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में जनप्रतिनिधियों, पालकों, शाला विकास समितियों के सदस्यों तथा स्थानीय गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। उपस्थित अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। कई विद्यालयों में स्वागत गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रेरणादायी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।इस

दौरान विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश का वितरण किया गया, जिससे वे नए सत्र की पढ़ाई प्रारंभ कर सकें। बच्चों के चेहरों पर नए सत्र, नई किताबों और नए सपनों को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यालयों में शिक्षकों ने विद्यार्थियों से परिचयात्मक संवाद कर उन्हें सहज और प्रेरक वातावरण उपलब्ध कराया।27 जून तक चलने वाले शाला प्रवेश उत्सव के माध्यम से जिले में प्रवेश योग्य प्रत्येक बच्चे का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने, विद्यालय से दूर बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने तथा नियमित उपस्थिति को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। प्रथम दिवस पर विद्यालयों में विद्यार्थियों की उत्साहजनक उपस्थिति दर्ज की गई।

जिला प्रशासन ने पालकों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे प्रत्येक बच्चे की नियमित शिक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग करें, ताकि जिले का कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे और शाला प्रवेश उत्सव जनभागीदारी का प्रभावी अभियान बन सके।

चलती कार में लगी भीषण आग, परिवार के तीन लोगों ने कूदकर बचाई जान

भिलाई/दुर्ग,(आरएनएस)। दुर्ग जिले में बायपास रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। कार में सवार एक ही परिवार के तीन लोगों ने समय रहते वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार के तीन सदस्य कार से बायपास रोड होते हुए दुर्ग की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक वाहन में आग लग गई और देखते ही देखते लपटों ने कार के अगले हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। स्थिति को भांपते हुए कार में सवार सभी लोग तुरंत बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। आग लगने के कारण कार का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार के अगले हिस्से से ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दे रहा है। सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग जमा होकर घटना को देखते नजर आए।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की पड़ताल में जुटे हुए हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 13-17 जुलाई तक चलेगा

5 बैठकें होंगी, स्कूलों में मंत्र-पाठ और कानून व्यवस्था हंगामा

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू होकर 17 जुलाई तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय ने सत्र की अधिसूचना और कार्यसूची जारी कर दी है। 5 दिनों तक चलने वाले इस सत्र में कुल 5 बैठकें होंगी, जिनमें प्रश्नोत्तर, शासकीय कार्य और वित्तीय मामलों चर्चा होगी।

पहले 4 दिनों तक प्रश्नोत्तर काल और शासकीय कार्य निर्धारित किए गए हैं। वहीं अंतिम दिन 17 जुलाई को प्रश्नोत्तर और शासकीय कार्यों के साथ गैर-शासकीय कार्य भी लिए जाएंगे। सदन में स्कूलों में मंत्र-पाठ और कानून व्यवस्था पर विपक्ष सरकार को घेर सकती है। मानसून सत्र के दौरान विपक्ष सरकार को कानून-व्यवस्था, किसानों, बिजली-पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और विभिन्न विभागों में हुए विवादित फैसलों के मुद्दे पर घेरने की तैयारी में है। वहीं सरकार भी अपनी उपलब्धियों और योजनाओं का ब्यौरा सदन में रखने की तैयारी कर रही है। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक सत्र के दौरान वित्तीय कार्यों के साथ अन्य शासकीय कार्य भी संपादित किए जाएंगे। चूंकि सत्र की अवधि केवल 5 दिन रखी गई है, इसलिए विपक्ष की ओर से सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग भी उठ सकती है।

जनसेवा ही प्रशासनिक सेवा का सर्वोच्च उद्देश्य : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

संवेदनशीलता, निष्पक्षता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का करें निर्वहन : मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने की मुलाकात

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी, निमोरा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के तीन प्रशिक्षु अधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उनकी सफलता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कि प्रशासनिक सेवा जनसेवा का सबसे प्रभावी माध्यम है और प्रशासनिक अधिकारी के रूप में आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि एक प्रशासनिक अधिकारी के निर्णय हजारों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं, इसलिए प्रत्येक निर्णय में जनहित सर्वोपरि होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे संवेदनशीलता, निष्पक्षता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझें।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षा और प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसका उपयोग समाज और आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए किया जाए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश है। यहां के लोग सरल, सहज, मेहनती और आत्मीय स्वभाव के हैं। उन्होंने अधिकारियों को

प्रदेश की सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों, तेजी से विकसित हो रही कनेक्टिविटी, पर्यटन की संभावनाओं, नक्सल उन्मूलन की सफलता तथा राज्य के विकास की यात्रा से अवगत कराया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता, जनजातीय परंपराओं और विकास के नए अवसरों पर भी अपने अनुभव साझा किए।

मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों को कहा कि ईमानदारी, निष्ठा और जनहित की भावना से लिया गया प्रत्येक निर्णय प्रदेश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें बस्तर संभाग के सुकमा और बीजापुर जिलों सहित सरगुजा संभाग के जशपुर, सरगुजा और कोरिया जिलों का भ्रमण करने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने स्थानीय जनजीवन, संस्कृति, विकास गतिविधियों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अध्ययन किया तथा मां दंतेश्वरी के दर्शन भी किए।

अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ विविधताओं, सांस्कृतिक समृद्धि और आत्मीयता से भरपूर प्रदेश है। यहां के लोगों के स्नेह, जनजातीय परंपराओं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की संभावनाओं ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा के माध्यम से जनहित में कार्य करना उनके लिए गौरव और जिम्मेदारी दोनों है।मुलाकात के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रशासनिक सेवा की तैयारी से जुड़े अनुभव, चुनौतियां और प्रेरणादायक प्रसंग भी साझा किए। मुख्यमंत्री ने अपने सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्हें निरंतर सीखते रहने, जमीनी स्तर से जुड़े रहने तथा मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर कार्य करने की प्रेरणा दी।उल्लेखनीय है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी गोकुल आर. के., वी. यशवंत नायक एवं ईशांत जायसवाल वर्तमान में छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी, निमोरा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। तीनों अधिकारियों को छत्तीसगढ़ कैडर आवंटित हुआ है।

12 साल बाद निगम का बड़ा एक्शनः ईडब्ल्यूएस भूमि से मदरसा और अन्य अतिक्रमण हटाए गए

भिलाई,(आरएनएस)। धार्मिक संस्थाओं और अन्य निर्माणों के नाम पर ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के लिए आरक्षित भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के खिलाफ भिलाई नगर निगम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अयप्पा नगर स्थित आनंद विहार और उल्लासनगर क्षेत्र में करीब सवा एकड़ जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। इस दौरान मदरसा, बाउंड्री वॉल समेत अन्य अवैध निर्माणों को बुलडोजर से हटाया गया।

निगम प्रशासन के अनुसार यह भूमि कॉलोनी विकास के दौरान ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 15 प्रतिशत आरक्षित छोड़ी गई थी। आरोप है कि वर्षों पहले इस जमीन पर कब्जा कर मदरसा और अन्य निर्माण कर लिए गए थे। वहीं शिव पब्लिक स्कूल द्वारा भी बाउंड्री वॉल का निर्माण कर जमीन पर अतिक्रमण किया गया था।

जूता-चप्पल की आड़ में चल रहा था शराब का धंधा, अंजोरा पुलिस ने आरोपी को दबोचा

दुर्ग, (आरएनएस)। अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अंजोरा पुलिस ने जूता-चप्पल बिक्री की आड़ में शराब बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 30 पव्वा देसी मसाला शराब और नकद बिक्री राशि बरामद की है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चौकी अंजोरा थाना पुलगांव को सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम थनोद से रसमड़ा मार्ग पर एक व्यक्ति जूता-चप्पल बेचने के नाम पर अवैध रूप से मसाला शराब का कारोबार कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी धुरवाराम बारिया (55 वर्ष) निवासी ग्राम थनोद को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 30 नग देसी मसाला शराब पव्वा (कुल 5.400 बल्क लीटर) तथा बिक्री से प्राप्त 300 रुपये नकद बरामद किए गए। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 3 हजार रुपये बताई गई है।

खेल समाचार

वैभव की श्रीलंकाई खिलाड़ी से झड़प का कारण अब सामने आया

कोलंबो (ए.)। श्रीलंका में खेली जा रही ए टीम की त्रिकोणीय सीरीज में भारत ए टीम के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए टीम के खिलाड़ी के बीच हुई झड़प का कारण अब सामने आया है। इस घटना का एक वीडियो भी आया है। इसमें वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ी एक दूसरे का धक्का देते हुए दिख रहे हैं। कोलंबो में हुए इस मुकाबले में और श्रीलंका ए को सुपर ओवर में जीत मिली थी। मैच समाप्त होते ही मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीलंकाई ए टीम के खिलाड़ी विशन हलंबागे ने भारतीय बल्लेबाज वैभव को उकसाते हुए कहा, मैच समाप्त हो गया अब तुम घर जाओ। इसपर वैभव भड़क गये और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी से बहस हो गयी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हल्की धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिसके कारण अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा। यह घटना उस मैच के बाद हुई जब श्रीलंका ए ने बेहद करीबी मुकाबले में सुपर ओवर के ज़रिए भारत ए को हराया था। हालांकि, सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जिस पर बाद में सवाल भी उठे। इस पूरे मामले पर श्रीलंकाई ए टीम के ड्रेसिंग रूम में भी काफी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि टीम को भारतीय टीम से माफी मांगनी चाहिए।

फीफा ने नस्लभेदी इशारा करने के आरोपों से ऑस्ट्रेलियाई वीएआर इवांस को बरी किया

नई दिल्ली (आरएनएस)।। जर्मनी और कुराकाओ के बीच रविवार को खेले जाने वाले मुकाबले से पहले नस्लभेदी इशारा करने के आरोपी ऑस्ट्रेलियाई रेफरी शॉन इवांस को फीफा ने आरोपों से बरी कर दिया है। मुकाबले से पहले ब्रॉडकास्ट में वीडियो रिव्यू टीम ने ऑस्ट्रेलियाई एनालिस्ट को उल्टा ओके का इशारा करते हुए पाया। इस इशारे को अक्सर व्हाइट सुप्रीमेसी (श्वेत वर्चस्व) समूहों से जोड़ा जाता है। वर्ष 2017 से फीफा की रेफरी सूची में शामिल 38 वर्षीय शॉन इवांस एक अनुभवी वीएआर हैं। वर्ष 2022 में कतर में आयोजित वर्ल्ड कप में उनको रेफरी की भूमिका निभाने के लिए भी नियुक्त किया गया था।

आरोपों पर अपने बयान में शॉन इवांस ने कहा कि यह इशारा अनजाने में हुआ था। उन्होंने एक बयान में कहा, मैं यह साफ करना चाहता हूं कि मैंने जानबूझकर कोई हाथ का इशारा या प्रतीक नहीं बनाया जिससे कोई संदेश, जुड़ाव, खेल या किसी तरह की मान्यता जाहिर हो।

उन्होंने कहा, मैं बस यही कह सकता हूं कि यह हरकत अनजाने में, अवचेतन मन से हुई थी और मुझे उस समय पता भी नहीं चला कि मैंने ऐसा किया है। मैच के दौरान और बाद में ली गई तस्वीरों से पता चला कि मैंने अपनी उंगलियों के बीच पेन पकड़े हुए कई बार यह हरकत दोहराई थी।

16 साल बाद विश्व कप में दोहराया इतिहास, 5वें दिन खेले गए सभी 4 मैचों का नहीं निकला कोई नतीजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में एक ऐसा दिलचस्प नजारा देखने को मिला है, जिसने 2010 के विश्व कप की यादें ताजा कर दी हैं। टूर्नामेंट के 5वें दिन खेले गए सभी चार मुकाबलों में कोई भी टीम जीत हासिल नहीं कर सकी और सारे मैच ड्रॉ पर खत्म हुए। पूरे दिन भर में कुल 8 गोल दागे गए, लेकिन दिन का खेल खत्म होने तक सभी मुकाबले बेनतीजा ही रहे।

केप वर्ड ने अपने डेब्यू मैच में स्पेन को चौंकाया

दिन का पहला मुकाबला दुनिया की नंबर 3 टीम स्पेन और केप वर्ड के बीच खेला गया। केप वर्ड का यह विश्व कप इतिहास में डेब्यू मैच था। अपने पहले ही मैच में इस टीम ने शानदार खेल दिखाया और स्पेन जैसी मजबूत टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया। यह रोमांचक मुकाबला 0-0 की बराबरी पर छूटा।

मिस्त्र और बेल्जियम के बीच कांटे की टक्कर

दूसरा मैच बेल्जियम और मिस्त्र (इजिप्ट) के बीच खेला गया, जो 1-1 से ड्रॉ रहा। इस मैच में मिस्त्र के इमाम ओशोर ने 20वें मिनट में शानदार गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो हाफ टाइम तक बरकरार रही। हालांकि, दूसरे हाफ के 66वें मिनट में बेल्जियम के मोहम्मद हैनी ने गोल दागकर अपनी टीम को बराबरी पर ला खड़ा किया।

उरुग्वे के खिलाफ सऊदी अरब का शानदार प्रदर्शन

दिन का तीसरा मुकाबला सऊदी अरब और उरुग्वे के बीच हुआ। इस मैच में भी दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। 41वें मिनट में सऊदी अरब के अल अमीरी ने गोल कर एक बड़े उलटफेर की उम्मीद जगाई थी। लेकिन 80वें मिनट में आखिरकार उरुग्वे की टीम ने वापसी करते हुए गोल दाग दिया और सऊदी अरब की बढ़त को खत्म कर दिया।

ईरान और न्यूजीलैंड के मैच में लगे सबसे ज्यादा गोल

चौथे और आखिरी मुकाबले में ईरान और न्यूजीलैंड की टीमें आमने-सामने थीं। इस मैच में दिन के सबसे ज्यादा 4 गोल देखने को मिले, लेकिन यह मैच भी 2-2 से ड्रॉ पर ही खत्म हुआ। न्यूजीलैंड ने इस मैच में दो बार बढ़त बनाई, लेकिन ईरान ने दोनों बार शानदार वापसी की। न्यूजीलैंड के लिए एलिजाह जस्ट ने 7वें और 55वें मिनट में दो बेहतरीन गोल दागे। वहीं, ईरान की ओर से रमीन रिजालन ने 32वें और मोहम्मद मोहेबी ने 64वें मिनट में गोल कर मैच को बराबरी पर ला दिया।

फीफा विश्व कप 2026 : ईरान ने न्यूजीलैंड को 2-2 से ड्रॉ पर रोका

लॉस एंजिल्स (ए.)। ईरान ने फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के ग्रुप जी के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड को 2-2 से ड्रॉ पर ही रोक दिया। इसी के साथ ही न्यूजीलैंड विश्वकप में पहली जीत हासिल करने से वंचित हो गयी। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में ईरान ने दो बार पिछड़ने के बाद भी अच्छी वापसी की और एक अंक हासिल किया। इस मैच में ईरान की जीत में रामिन रेजाईन की अहम भूमिका रही। उन्होंने दो गोल दागे। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से एलिजा जस्ट ने दो गोल किये पर अंत में व ड्रॉ पर ही मजबूर हो गयी।

मैच की शुरुआत में ही ईरान ने हमला बोल दिय। मेहदी तारेमी के शॉट को हालांकि न्यूजीलैंड के गोलकीपर मैक्स क्रोकॉम्बे ने रोक लिया। इसके तत्काल बाद ही न्यूजीलैंड ने बढ़त हासिल कर ली। एलिजा जस्ट ने क्रिस वुड के पास पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

ईरान ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी के प्रयास तेज कर दिये। रामिन रेजाईन ने गोलकीपर क्रोकॉम्बे को छकाते हुए एक गोल दाग दिया।

शरणार्थी शिविर से फीफा विश्वकप तक पहुंचे नेस्टोरी

मियामी (ए.)। फीफा विश्वकप फुटबॉल में इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहले ही मुकाबले में जीत दिलाने वालो खिलाड़ी नेस्टोरी इरानकुंडा हीरो बनकर उभरे हैं। तुर्किये के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 27वें मिनट में शानदार गोल दागकर उन्होंने न केवल अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, बल्कि 20 वर्ष और 125 दिन की उम्र में विश्व कप में गोल करने वाले सबसे युवा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनने की भी उपलब्धि अपने नाम की है। नेस्टोरी का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। तंजानिया के एक शरणार्थी शिविर में जन्मे नेस्टोरी के माता-पिता को बुरुंडी में गृहयुद्ध के कारण अपना देश छोड़ना पड़ा था और शरण लेने के लिए तंजानिया पहुंचना पड़ा था। इसी दौरान नेस्टोरी का जन्म हुआ। बचपन में ही उनका परिवार ऑस्ट्रेलिया चला आया, जिसने उनकी जिंदगी को एक नया मोड़ दिया। यहीं पर नेस्टोरी ने फुटबॉल खेलना शुरु किया और धीरे-धीरे अपनी असाधारण प्रतिभा से सबका ध्यान खींचा। एडिलेड यूनाइटेड के लिए खेलते हुए उन्होंने घरेलू फुटबॉल में अपनी पहचान बनाई, अपनी गति, तकनीक और आक्रामक खेल से ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में शामिल हो गये।

साल 2024 में जर्मनी के दिग्गज क्लब बायर्न म्यूनिख ने इस फुटबॉलर को अवसर दिया हालांकि जर्मनी में चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं रहीं। उन्होंने क्लब की दूसरी टीम के लिए कई मुकाबले खेले, पर वरिष्ठ टीम में उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिल पाया। विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए, नेस्टोरी को नियमित खेल समय की आवश्यकता थी, जिससे उन्हें अपने भविष्य को लेकर चिंता होने लगी। इसी बीच, उन्होंने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया और वर्ष 2025 में इंग्लैंड के क्लब वॉटफोर्ड से जुड़ गए। यह निर्णय उनके करियर के लिए अच्छा रहा। वॉटफोर्ड में उन्हें लगातार खेलने का मौका मिला और वह टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में शामिल हो गए। नेस्टोरी ने हमेशा कहा था कि विश्व कप में खेलना उनका सबसे बड़ा सपना है, और इसके लिए नियमित रूप से मैदान पर उतरना अनिवार्य था।

नेस्टोरी के ऑस्ट्रेलियाई साथी मोहम्मद टौरे उनकी प्रतिभा के बड़े प्रशंसक रहे हैं। टौरे ने एक बार कहा था कि उन्होंने कई अच्छे खिलाड़ी देखे हैं, लेकिन नेस्टोरी जैसी विशेष प्रतिभा बहुत कम मिलती है। तंजानिया के एक शरणार्थी शिविर से शुरू हुआ नेस्टोरी इरानकुंडा का असाधारण सफर अब विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच तक पहुंच चुका है। इससे युवा प्रतिभाओं को भी प्रेरणा मिलेगी।

हार्दिक के अच्छे विकल्प हो सकते हैं नितीश : रैना

मुम्बई (ए.)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी आगामी 2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए चोटिल ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नितीश का वर्तमान समय में अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह हार्दिक के अच्छे विकल्प बनने की योग्यता रखते हैं। साथ ही कहा कि चयन समिति को अन्य विकल्प भी देखने चाहिये। इसका कारण है कि हार्दिक कई बार चोटिल होते रहते हैं। रैना ने कहा कि पंड्या की बार-बार होने वाली चोटें चिंता का विषय हैं और 2027 विश्व कप से पहले भारत को उनका एक भरोसेमंद विकल्प ढूंढना अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करना चाहिए। रैना ने नितीश को एक अच्छे विकल्प के रूप में पेश किया, यह बताते हुए कि इस युवा ऑलराउंडर ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने विस्तार से बताया, उनकी बल्लेबाजी और मजबूत हुई है। आईपीएल में उन्होंने अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की और उनकी फिटनेस भी अच्छी रही है। रैना ने टीम प्रबंधन को सलाह दी कि उन्हें रेड्डी के काम के बोझ का सावधानी से प्रबंधन करना चाहिए और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार मौके देने चाहिए ताकि वह अपनी जगह पक्की कर सकें।

बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने भविष्य के संभावित कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की भूमिका को अहम बताया। उनका मानना है कि आईसीसी जैसे अत्यधिक दबाव वाले टूर्नामेंट में इन दिग्गजों का अनुभव गिल के लिए अमूल्य साबित होगा। रैना ने जोर दिया, दोनों ही आईसीसी विश्व कप में काफी रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव को संभालना जानते हैं।

सेहत से खिलवाड़

पहले डॉक्टर कहते थे मूंग की दाल खाओ, अब कह रहे मूंग बिगाड़ सकती है सेहत, कैंसर तक होने का है खतरा

फायदेमंद दालें केमिकल के कारण बनती जा रही जहर, जबावदारों ने साध रखी है चुप्पी

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। जो मूंग की दाल पहले दवा के रूप में थी अब उसमें वह बात नहीं रही। मूंग की दाल में मौजूद पौष्टिक तत्व से सेहत में सुधार होता था। पूरी तरह से जैविक दाल में प्रोटीन के अलावा कार्बोहाइड्रेट, मिनिरल्स, विटामिन मिलते हैं। जिससे तबियत खराब होने पर लाभ मिलता है। डाक्टरों का कहना है कि यह बहुत अच्छी बात है कि जिले में मूंग की खेती बहुतायत से हो रही है। लेकिन जिस मात्रा में मूंग में रासायनिक तत्वों का उपयोग किया जा रहा है वह सेहत के लिए ठीक नहीं है वह मूंग स्वास्थ्य में सुधार की बजाय स्वास्थ्य बिगाड़ सकती है। यहां तक कहा जा रहा है कि कैंसर जैसी बीमारी को भी जन्म दे सकती है। बिना पेस्टीसाइड वाली मूंग की दाल ही फायदा करती है। उसकी पैदावार करना आसान नहीं है। जो बाहर से आ रही हैं उन दालों पर भी भरोषा करना कहां तक उचित है? क्योंकि बाहर से आने वाली दालों के संबंध में डाक्टरों का कहना है कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की रिसर्च के मुताबिक मूंग और मसूर की दाल खाने से लोगों की जान को खतरा हो सकता है। रिसर्च के मुताबिक इन दालों में बड़ी मात्रा में जहरीले कैमिकल्स मौजूद हैं। हालाकि मूंग में हुए रासायनिक प्रयोग से संबंधित जांच के नमूने की रिपोर्ट में ऐसी बात नहीं बताई गई है। अर्थात स्पष्ट नहीं हो सका है। शासन प्रशासन में बैठे जबावदारों को सभी खान पान की वस्तुओं के मामले में तह तक जाकर स्पष्ट कराना चाहिए। ऐसी चुप्पी साधने से तो लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ ही होना है। कई लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है। बे-मौत मारे जा रहे हैं। आखिर कब तक चलता रहेगा ऐसा?

धीरे धीरे पहुंचता है नुकसान

जानकारों का कहना है कि जिस प्रकार मूंग की उपज तैयार की जाती है। उसे कीटों से बचाने व फसल को पकाने के लिए जिन केमीकलों का अधिक मात्रा में उपयोग किया जा रहा है। वह केमीकल धीरे-धीरे लोगों के शरीर को नुकसान पहुंचा रहे हैं और इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

दालों के सेवन में गेप हो

आयुर्वेद के जानकार वैद्य चंद्रनारायण महलवार का कहना है कि कोई सी भी दाल हो दालों का सेवन प्रतिदिन नहीं करना चाहिए। दालों के सेवन में कम से कम एक दिन का गेप होना चाहिए। लगातार दाल नहीं खानी चाहिए। ज्यादा रसायन से तैयार हुई दाल से बचना चाहिए।

सफाया को लेकर चिंता

अधिकांश खेतों में मूंग की कटाई हो चुकी है उससे पहले कई किसानों के द्वारा मूंग में सफाया नामक केमीकल का छिड़काव किया गया है। यह केमीकल का इतना तेज असर बताया जाता है कि शाम को किसान खेत में छिड़काव करते हैं। दूसरे दिन फसल पक जाती है। पौधा तक सूख जाता है उसके बाद कटाई की जाती है। उसका कुछ तो असर दाल में पहुंचता होगा।

किसानों की मजबूरी

मूंग की फसल काटने से पूर्व जो केमिकल डाला जा रहा है जिसे किसान अपनी भाषा में सफाया कहते हैं। उस केमिकल का असर यह होता है कि दूसरे दिन ही फसल की हरियाली और फली सूख जाती है। फसल पूरी तरह से पक जाती है। किसान गणेश गौर ने बताया कि यह किसानों की मजबूरी है कि मूंग में यदि केमिकल ना डाला जाए तो वह कम से कम 15 दिन और पकने में लेती है। तब तक बरसात आ जाती है। इसलिए केमिकल डालना पड़ता है। कुछ किसान जैविक मूंग की खेती भी करते है। लेकिन उसकी बोनी पहले और कटाई बाद में होती है।

केमीकल्स से शरीर को नुकसान

दाल, सब्जी, फ्रूट्स कुछ भी हो जिसमें पेस्टिसाइड्स का यूज ज्यादा किया जा रहा है वो शरीर के लिए नुकसानदायी ही है। मूंग की दाल में जो आजकल पेस्टीसाइड उपयोग हो रहे हैं वे कई तरह से नुकसान पहुंचा सकते हैं। पेस्टिसाइड्स में यूज होने वाले कैमिकल आपके शरीर को धीमे-धीमे नुकसान पहुंचाते हैं। फिर एक समय के बाद शरीर के किसी भी पार्ट में कैंसर तक हो सकता है। पेट से जुड़ी बीमारियों का होना आम बात है। जैसे पेट दर्द, होना। इससे सोचने-समझने की शक्ति भी कम हो सकती है।

डॉ अतुल सेठा वरिष्ठ सर्जन

जनकल्याण शिविर में विभिन्न हितग्राहियों का किया गया पंजीयन एवं प्रमाण पत्र वितरण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में ब्लॉक स्तरीय जनकल्याण शिविर का आयोजन कार्यालय नगरपालिका परिषद पिपरिया परिसर में किया जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मध्य भारत सरकार एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु 05 जून 2026 से 21 जून 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में 15 जून 2026 से 18 जून 2026 तक जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर में जनकल्याण कार्य योजना अंतर्गत छूटे हुए पात्र हितग्राहियों का पंजीयन कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रबल अरजरिया ने बताया कि शिविर में आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, लखपति दीदी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, नल-जल योजना, सांसद आदर्श ग्राम योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM), कृषि कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न विभागों की राज्य एवं केंद्र शासन की कल्याणकारी योजनाओं अंतर्गत पंजीयन एवं निराकरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीना नागपाल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हितग्राहियों को योजनांतर्गत स्वीकृति प्रमाण पत्रों का वितरण भी किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा पंजीयन कराया।

कर्तव्यनिष्ठा, सत्य आचरण ही सत्यनारायण की सच्ची पूजा : पं प्रमोद शर्मा

जगन्नाथ मंदिर प्रवचन माला का समापन

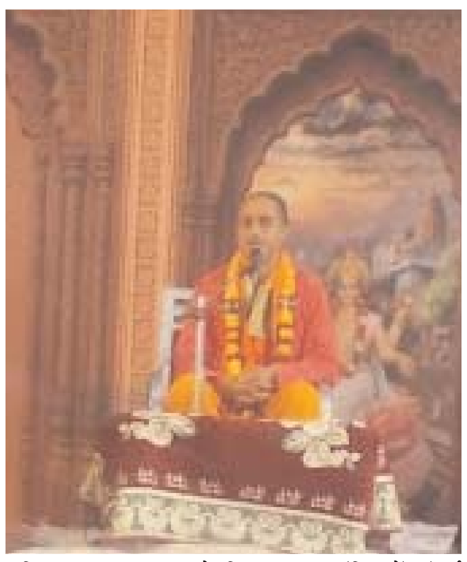

नर्मदापुरम (निप्र)। अपने कार्य को निष्ठा के साथ करना और जीवन में सत्य का आचरण करना ही सत्य नारायण भगवान की सच्ची पूजा है। यह बात पं प्रमोद शर्मा ने सोमवार को जगन्नाथ मंदिर में आयोजित प्रवचन माला के समापन अवसर पर कही। भगवान सत्य नारायण की कथा के संकेत और जीवन में प्रासंगिकता की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सत्य नारायण भगवान की कथा में प्रथम एक लकड़हारे की कथा है। लकड़हारा समाज के श्रमिक वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है। वह कष्ट में है, लेकिन जैसे ही उसके जीवन में भगवान की पूजन का संकल्प आता है, उसके जीवन में बदलाव आ जाता है, कार्य के प्रति निष्ठा भी जागती है और जीवन में मंगल होता है। कथा में दूसरा और प्रमुख पत्र साधु बनिया और उसकी पुत्री है। यह यह सामान्य गृहस्थ और व्यवसायी परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। वे बार बार असत्य भाषण करता है और संकटों से घिरता है। संदेश यह है कि हमें जीवन में सदैव सत्य ही बोलना चाहिए। कथा में तीसरा संवाद एक राजा का है, जो अपने कर्तव्य से विमुख होता है और कष्ट झेलता है। सम्पूर्ण कथा का सार संदेश यह है कि जीवन से अपने कर्तव्यों का पालन करना, सत्य का अनुसरण करना और समाज को ही परिवार मानना। ज्ञात रहे कि जगन्नाथ मंदिर में संपूर्ण पुरुषोत्तम माह में सत्य नारायण कथाओं का आयोजन किया गया। जिसमें तीन सौ से अधिक परिवारों ने कथाएं कराई। कार्यक्रम का समापन खाटू श्याम संध्या और भंडारे से साथ हुआ।

किसानों की सुविधा हेतु समितियों में लगाए जा रहे विशेष शिविर

एग्रीस्टैक पंजीयन एवं ई-टोकन जनरेशन की दी जा रही सुविधा

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग, राजस्व विभाग एवं पंचायत विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अनुविभाग सोहागपुर की विभिन्न सहकारी समितियों में लगातार विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों में कृषि विभाग के अधिकारियों, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों, पटवारियों एवं तकनीकी कर्मचारियों द्वारा किसानों के एग्रीस्टैक (AgriStack) पोर्टल पर पंजीयन एवं ई-टोकन जनरेट करने की कार्रवाई की जा रही है। किसानों को समिति स्तर पर ही आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसी क्रम में आज विभिन्न सहकारी समितियों में आयोजित शिविरों के दौरान किसानों के लिए 57 ई-टोकन जनरेट किए गए। प्रशासन का सतत प्रयास है कि प्रत्येक पात्र किसान को आवश्यक उर्वरक समय पर उपलब्ध हो सके, जिससे खरीफ फसल की तैयारी प्रभावित न हो तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पचमढ़ी के ऐतिहासिक बाइसन लॉज में भव्य आम महोत्सव

आम की विविध किस्मों ने आकर्षित किया लोगों का ध्यान

नर्मदापुरम। पचमढ़ी। (निप्र)। जिला प्रशासन एवं उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पर्यटन नगरी पचमढ़ी के प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक बाइसन लॉज में एक दिवसीय भव्य आम महोत्सव का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संजय लिडवानी पवन झा संजीव जायसवाल शिशिर राठी कमलेश जैन महेश कनौजिया एवं धर्मदास साहू सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। आम महोत्सव का मुख्य उद्देश्य जिले में आम की बागवानी को प्रोत्साहित करना विभिन्न प्रजातियों के आमों का प्रदर्शन करना तथा स्थानीय बागवानों को एक बेहतर मंच उपलब्ध कराना रहा। महोत्सव में नर्मदापुरम जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रगतिशील किसानों एवं बागवानों द्वारा अपने बगीचों के चुनिंदा, रसीले एवं दुर्लभ किस्म के आमों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में पारंपरिक लंगड़ा दशहरी, आम्रपाली, मल्लिका, चौसा, बॉम्बे ग्रीन, तोतापरी, अल्फांसो, केसर, हिमसागर, बादामी, सफेदा, मालगोवा एवं देसी आम सहित अनेक स्थानीय एवं उन्नत प्रजातियों के आम आकर्षण का केंद्र रहे। पचमढ़ी आए पर्यटकों एवं आमजन ने मैंगो फेस्टिवल का उत्साहपूर्वक आनंद लिया। लोगों ने विभिन्न किस्मों के आमों का स्वाद चखा तथा उनकी खरीदारी भी की। कार्यक्रम के दौरान उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की उप संचालक श्रीमती रीता उईके ने विभागीय योजनाओं एवं बागवानी के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। जिला प्रशासन एवं उद्यानिकी विभाग का प्रयास है कि जिले के बागवानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य एवं पहचान मिल सके। पचमढ़ी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल पर आम महोत्सव के आयोजन से स्थानीय किसानों को सीधा बाजार उपलब्ध हो रहा है

तथा पर्यटकों को क्षेत्र की समृद्ध कृषि संस्कृति से परिचित होने का अवसर मिल रहा है।कार्यक्रम में साडा से श्री नागवंशी सहित उद्यानिकी विभाग के एसएन राय सहायक संचालक उद्यान, श्री गिरी, हीरेश पटेल, पवन रघुवंशी, विकास अबहरी आशीष ठाकुर अमित पाण्डेय दुर्गेशचन्द्र बरोदे भवानी सिंह सदाशिव कनाटे राजू गुर्जर श्रवण ओसारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय भूमि पर किए गए पक्के अतिक्रमण के विरुद्ध प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

जेसीबी से हटाए गए अवैध निर्माण, शासकीय भूमि कराई गई अतिक्रमण मुक्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर श्रीमती प्रियंका भलावी के मार्गदर्शन में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमणों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत ग्राम बम्होरीखुर्द, तहसील सोहागपुर में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान शासकीय भूमि पर किए गए अवैध ढाबों एवं अन्य पक्के निर्माणों को जेसीबी मशीन की सहायता से हटाया गया तथा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर शासन के कब्जे में लिया गया। राजस्व प्रकरण में पटवारी हल्का क्रमांक 20 द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर यह पाया गया कि ग्राम बम्होरीखुर्द स्थित शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 272 एवं 291, कुल रकबा 3.913 एवं 0.709 हेक्टेयर में से लगभग 0.040 हेक्टेयर भूमि पर अमित चौरसिया पिता रमेश चौरसिया, निवासी ग्राम बम्होरीखुर्द द्वारा ढाबा निर्माण कर अवैध अतिक्रमण किया गया था। उक्त भूमि राजस्व अभिलेखों में मध्यप्रदेश शासन के नाम दर्ज है। प्रकरण की सुनवाई उपरांत पारित आदेश के पालन में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इसी प्रकार एक अन्य प्रकरण में ग्राम बम्होरीखुर्द की शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 272, रकबा 3.913 हेक्टेयर में से लगभग 3300 वर्गफुट भूमि पर महेन्द्रसिंह पिता सुल्तानसिंह, निवासी ग्राम नयाकूकरा द्वारा अविनाश ढाबा नाम से पक्का निर्माण कर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया था। न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में उक्त अतिक्रमण को भी हटाया गया।

कार्यवाही के दौरान तहसीलदार रामकिशोर झरवाड़े, अतिक्रमण दल के नोडल अधिकारी नायब तहसीलदार रंजीत चौहान, राजस्व विभाग की पटवारी टीम तथा पुलिस बल उपस्थित रहा।

प्रशासनिक अमले द्वारा मौके पर पहुंचकर दोनों प्रकरणों में किए गए पक्के अतिक्रमणों को हटाते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा, निर्माण अथवा अतिक्रमण किए जाने पर मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत सख्त कार्यवाही की जाएगी। शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

योगा विधिक सप्ताह का शुभारंभ हुआ केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम् में

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमति तृप्ति शर्मा की उपस्थिति में केन्द्रीय जेल सहित उपजेल पिपरिया /सिवनीमालवा में निरूद्ध बंदियों के लिए 15 जून से 21 जून 2026 तक योगा विधिक सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस सप्ताह शुभारंभ सोमवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर एवं कार्यपालक अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति विवेक रूसिया द्वारा ऑनलाइन वीडियों कॉन्फ्रसिंग के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय जेलों. उपजेलों में निरूद्ध बंदियों ने योगाभ्यास कर सहभागिता निभायी। केन्द्रीय जेल में आयोजित हुए योगा विधिक सप्ताह के शुभारंभ कार्यक्रम में श्रीमति तृप्ति शर्मा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, फिरोज अख्तर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्रीमति दिव्या मित्तल न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सुश्री के. शिवानी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संतोष सोलंकी जेल अधीक्षक, अभय सिंह जिला विधिक सहायता अधिकारी सहित समस्त जेल प्रशासन के अधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। योग शिविर में भाग लेने वाले बंदियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम् की ओर से टी-शर्ट भी वितरित की गयी। कार्यक्रम के दौरान बंदियों को योग के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराया गया तथा नियमित योगाभ्यास अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

कई प्रकरणों का मौके पर किया निराकरण, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया। जनसुनवाई में पहुंचे आवेदकों की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कई मामलों का समाधान मौके पर ही किया गया, जिससे आवेदकों को त्वरित राहत प्राप्त हुई। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों की समस्याओं का तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्राप्त आवेदनों की गंभीरता पूर्वक जांच कर समय-सीमा में समाधान किया जाए तथा सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि एक सप्ताह के भीतर प्राप्त आवेदनों पर जवाब दर्ज किए जाएं।द जनसुनवाई के दौरान अतिक्रमण, अनुकंपा नियुक्ति, राजस्व, उपार्जन एवं अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन नागरिकों द्वारा प्रस्तुत किए गए।जनसुनवाई में नर्मदापुरम के ग्राम उराड़ी निवासी कृषक हेमराज तंवर ने तकनीकी त्रुटि के कारण गेहूं रिजेक्ट होने एवं भुगतान न मिलने की समस्या कलेक्टर के समक्ष रखी। कलेक्टर ने जिला खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया कि तकनीकी त्रुटि में सुधार कर किसान को उपज का भुगतान कराया जाए। माखननगर के ग्राम सांगा खेड़ा कला निवासी पवन सैनी ने कार्य नियोजन के दौरान मशीन पर कार्य करते समय दुर्घटना में घायल होने तथा इलाज संबंधी समस्या का आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर ने श्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि नियोजनकर्ता से आवेदक का समुचित इलाज कराया जाए। इसी प्रकार आवेदक राजेश कुमार सागर ने अधिक बिजली बिल आने की शिकायत प्रस्तुत की। कलेक्टर ने डीई एमपीईबी को आवेदन की जांच कर समस्या के निराकरण के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com